

धनवार विधायक बाबूलाल मरांडी ने उठाई आवाज दो साल से छात्रवृति बंद, बच्चे होटल में प्लेट धोने को मजबूर; सरकार से मांगा जवाब

नवप्रदेश, धनवार:विधायक व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने जिले में दो वर्ष से छात्रवृति नहीं मिलने की गंभीर समस्या को सदन और जनता के बीच मजबूती से उठाया है। उन्होंने बताया कि हजारों गरीब व जरूरतमंद छात्र, जिन्हें सरकारी सहायता के भरोसे अपनी पढ़ाई जारी रखनी थी, आज आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। छात्रवृति बंद रहने के कारण कई छात्र स्कूल-कॉलेज छोड़ने पर मजबूर हो रहे हैं, जबकि कुछ बच्चे पेट भरने के लिए होटलों में प्लेट धोने और मजदूरी करने तक को विवश हैं।

विधायक मरांडी ने इस स्थिति को शिक्षा व्यवस्था की विफलता और सरकार की लापरवाही करार देते हुए कड़ा सवाल उठाया कि आखिर दो वर्षों से छात्रवृति योजना ठप क्यों पड़ी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सिर्फ घोषणाओं में व्यस्त है, जबकि जमीनी स्तर पर गरीब छात्रों की तकलीफों को कोई

सड़क हादसे में पिता - पुत्र की मौत, मुआवजे की मांग को लेकर स्वजनों ने ओएनजीसी के गेट को किया जाम

नवप्रदेश, बोकारो: रविवार देर शाम हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाप-बेटे की मौत हो गई। मृतकों की पहचान बगमड़िया ओपी क्षेत्र के पर्वतपुर सिंह टोला निवासी कैलाश प्रसाद सिंह(59)और उनके पुत्र कृष्णा सिंह उर्फ.मनु (24) के रूप में हुई है। हादसे के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। घटना रात की 8-9 बजे की है। परिजन ने बताया कि दोनों पिता पुत्र बगल में शادی पार्टी में महज 500 मीटर दुरी पर पर्वतपुर मांजोटोला जा रहा था। इसी क्रम में ओएनजीसी कंपनी के अधीन चल रही लक्ष्या पावर टेक की गाड़ी संख्या जेएच 10 बीजी/ 5887 के चपेट में आया और घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गया। मौके से गाड़ी भाग गया था लेकिन बाद में पकड़ा गया। परिजन को सोमवार सुबह 5 बजे घटना की जानकारी मिली। परिजन का रो रो कर बुरा हाल हो गया। मृतक कैलाश सिंह का दो पुत्र हैं। कृष्ण सिंह छोटे पुत्र था। स्वजनों ने आरोप लगाया है कि

जमुआ में महिला थाना स्थापना की मांग पर विधानसभा में गरजी विधायक मंजू कुमारी

नवप्रदेश, गिरिडीह: झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान जमुआ की विधायक मंजू कुमारी ने अपने क्षेत्र में महिला थाना स्थापना को लेकर जोरदार मांग उठाई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जमुआ जैसा विस्तृत व ग्रामीण क्षेत्र केकेवल गिरिडीह शहर स्थित एकमात्र महिला थाना के भरोसे नहीं चल सकता। इस दौरान उन्होंने सरकार के जवाब पर गहरा असंतोष भी जताया और कहा कि उनकी मांग को हल्के में लिया गया है। विधायक ने सदन में आंकड़ों और जमीनी अनुभवों के आधार पर बताया कि गिरिडीह महिला थाना जमुआ क्षेत्र से लगभग 50 से 60 किलोमीटर दूर है। इस लंबी दूरी के कारण ग्रामीण महिलाओं को गंभीर मामलों में भी थाना पहुंचने में अत्यधिक समय और खर्च दोनों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कई बार पीड़ित महिलाएँ

पहाड़ पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, जांच में जुटी पुलिस

नवप्रदेश, रामगढ़: सदर थाना क्षेत्र के काजू बागान में एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। सोमवार को गागरिया पहाड़ पर अज्ञात व्यक्ति का शव होने की सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि काजू बागान में गागरिया पहाड़ काफी सुनसान इलाका है। ठंड के इस मौसम में वहां लोगों की आवाजाही कम ही रहती है। जिस व्यक्ति का शव मिला है, उसके मुँह से झाग निकल रहा था। पुलिस को संदेह है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी हत्या कर दी है। पुलिस ने मृतक की पहचान के लिए, आसपास के इलाकों में लोगों से पूछताछ की। लेकिन किसी भी व्यक्ति के द्वारा उसकी पहचान नहीं की जा सकी। पुलिस ने मृतक की पहचान जल्द करने के लिए सभी थानों और आसपास के इलाकों में उसकी तस्वीर भेजी है। शोधन मीडिया पर भी मृतक की तस्वीर वायरल की गई, ताकि उसकी पहचान जल्द से जल्द हो सके। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्म के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

उपायुक्त ने विकास योजनाओं की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

नवप्रदेश, संवाददाता

गिरिडीह: आज समाहरणालय सभागार में उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव की अध्यक्षता में मनरेगा, पीएम आवास, अबुआ आवास समेत अन्य विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। समीक्षा के क्रम में कार्यों में कोताही बरतने वाले कर्मियों को सख्त निर्देश दिया गया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में प्रगति सुनिश्चित करें और लोगों को इसका लाभ दें। उपायुक्त के द्वारा मनरेगा योजना की समीक्षा के क्रम में वैसे सभी योजनाओं जो वर्षों से पेंडिंग पड़े हुए हैं उन्हें अविलंब पूर्ण कराने, मानव दिवस सृजन में प्रगति लाने तथा शत-प्रतिशत जियो टैगिंग कराने एवं पोर्टो हो खेल मैदान



सहित अन्य योजना को पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा करने का सख्त निर्देश दिया गया।

बैठक में अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना के तहत आवास निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति, आवास योजना के लाभुकों की राशि की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सभी

टाटा लीज एरिया में मस्जिद निर्माण को लेकर हुई चर्चा

पूर्वी सिंहभूम: सोनारी के परदेसी पाड़ा के लोगों ने सोमवार को बैठक कर टाटा लीज एरिया में मस्जिद निर्माण को लेकर चर्चा की।बैठक में इस बात पर खुशी जताई गई कि टाटा लैंड डिपार्टमेंट के साथ प्रशासन ने भी इस मामले को संज्ञान में लिया और जांच शुरू की है। फिलहाल मस्जिद का निर्माण कार्य स्थगित कर दिया गया है। बैठक के बारे में विधायक सरयू राय के जनसुविधा प्रतिनिधि मुकुल मिश्रा ने बताया कि बैठक में धर्मांतरण और सोनारी में एक समुदाय की जनसंख्या में अचानक हुई बढ़ोतरी का भी मामला आया है। स्थानीय लोगों ने कहा कि अचानक एक समुदाय की आबादी का सोनारी क्षेत्र में बढ़ना सामान्य घटना नहीं है। उन्होंने कहा कि यह घटना इस इलाके की गंभीर बात है। इसलिए मामले की जांच की जाएगी। मिश्रा ने कहा कि इस मामले पर तथ्य इकट्ठे किये जाएंगे और फिर इस संबंध में जरूरी कार्रवाई के लिए समुचित पदाधिकारी से संपर्क किया जाएगा।

इंटर स्कूल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में आदर्श विद्या मंदिर, चास का उत्कृष्ट प्रदर्शन, द्वितीय स्थान प्राप्त

नवप्रदेश, बोकारो: चौथी जिला स्तरीय इंटर स्कूल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 में आदर्श विद्या मंदिर, चास ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता 6 दिसंबर 2025 को दिल्ली पब्लिक स्कूल, चास के प्रांगण में आयोजित की गई, जिसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में आदर्श विद्या मंदिर, चास के कुल 35 विद्यार्थियों ने सहभागिता की और विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 34 पदक अपने नाम किए। इस उपलब्धि से विद्यालय का नाम जिले स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। सभी विद्यार्थियों ने यह सफलता विद्यालय के कोच शिक्षक भोला कुमार महतो के कुशल निर्देशन और मार्गदर्शन में हासिल की। इस शानदार



प्रदर्शन पर मारवाडी पंचायत समिति, विद्यालय प्रबंधन समिति तथा विद्यालय के प्राचार्य ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्वर्ण पदक विजेता में शेख अरमान (कक्षा षष्ठम), विशाल कुमार (कक्षा षष्ठम), आकांक्षा कुमारी (कक्षा सप्तम), सुहानी श्री (कक्षा चतुर्थ), माधव राज (कक्षा तृतीय), साई सत्यम नायक (कक्षा चतुर्थ),

अक्षत सिन्हा (कक्षा नवम), अनुपम कुमार (कक्षा अष्टम), श्रेया सिंह (कक्षा चतुर्थ), हर्षित कुमार (कक्षा नवम), प्रिंसी मिश्रा (कक्षा नवम), रिम्मी कुमारी (कक्षा नवम), हर्ष सिंह (कक्षा षष्ठम), रजत पदक विजेता में दीपान्शु कु. सिंह (कक्षा नवम), अर्पव कुमार (कक्षा षष्ठम), जीत कुमार (कक्षा षष्ठम), सुयांश अग्रहरी (कक्षा तृतीय), अभय कुमार (कक्षा सप्तम),

ट्रांसजेंडर सरकारी योजनाओं के हकदार : उपायुक्त जिला के सभी पर्यटन स्थलों को करें विकसित, जोड़े इन्हें रोजगार से

ट्रांसजेंडरों का आईडी कार्ड बनाया गया। इसपर उपायुक्त अजय नाथ झा ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द इस कार्य को पूरा करें ताकि इन्हें राज्य की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा सके।

Goat बैंक के बेहतर विकास के लिए बीडीओ, कृषि पदाधिकारी एवं बैंक के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ करें कार्य : Goat बैंक, ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करती है। यह एक सामुदायिक केंद्रित प्रणाली है जो बकरियों के लिए स्तंभ, प्रजनन और विपणन पर केंद्रित है। इसका मुख्य उद्देश्य बकरियों की संरक्षण और प्रजनन को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना। साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। इस संदर्भ में उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा यह राय सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसके विकास के लिए जिले के सभी बीडीओ, कृषि पदाधिकारी एवं बैंक के अधिकारी

दिया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने बारी-बारी से सभी महत्वकांक्षी योजनाओं की समीक्षा की तथा मनरेगा के सभी आयामों में प्रगति सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया। कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन एवं संचालन में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आगे उपायुक्त ने कहा कि सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता बरतें, ताकि सुनियोजित ढंग से योजनाओं को पूरा किया जाए और लोगों को उसका लाभ मिले। बैठक में उप विकास आयुक्त, निदेशक, डीआरडीए, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सभी प्रखंड समन्वयक समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

10 दिवसीय इस्पातांचल स्वदेशी मेला 27 जनवरी से



नवप्रदेश, बोकारो : स्वदेशी जागरण मंच की एक अहम बैठक संघ कार्यालय, सेक्टर-2 में जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुई क जिसमें सर्वसम्मति से आगामी 27 जनवरी से 05 फरवरी तक मजदूर मैदान, सेक्टर-4 में 10 दिवसीय इस्पातांचल स्वदेशी मेला लगाने का निर्णय लिया गया कजिसकी तैयारी में कार्यकर्ता जोर शोर से लग गए हैं कइसके पूर्व अखिल भारतीय मेला प्रमुख शचीन्द्र कुमार बरियार के निवास पर एक वृहत बैठक हुई थी कजिसमें स्वदेशी मेला के मार्केटिंग के लिए एक टीम गठन की गई थी कटीम में दिलीप वर्मा, अजय कुमार सिंह, जयशंकर प्रसाद, नवीन सिन्हा

एवं दीपक शर्मा की घोषणा राष्ट्रीय मेला प्रमुख शचीन्द्र कुमार बरियार एवं क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र कुमार सिंह द्वारा की गई कटीम के सदस्यों को मेला के मार्केटिंग हेतु जोर शोर से लग जाने का निर्देश दिया गया क संघ कार्यालय में हुई बैठक में संजय श्रीवास्तव सांस्कृतिक कार्यक्रम की जिम्मेवारी दी गई। वे सभी विद्यालयों से संपर्क कर मेला में प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु बच्चों को तैयार करेंगें क वहीं जयशंकर प्रसाद को पत्राचार की जिम्मा सौंपा गया क साथ ही 12 दिसंबर अमर शहीद बाबू गेनु सैज की के शहादत दिवस पर स्वदेशी जागरण मंच स्वदेशी दिवस के रूप में मनाता आया हैं ।

अनुष्का सिंह (कक्षा सप्तम), राज कुमार (कक्षा ग्यारहवीं), निगार जारा (कक्षा सप्तम), रंक्षित कुमार (कक्षा चतुर्थ), पूनम कुमारी (कक्षा चतुर्थ), वर्षा कुमारी (कक्षा चतुर्थ), कांश्य पदक विजेता में कार्तिक कु. गोप (कक्षा अष्टम), प्रेम कुमार (कक्षा षष्ठम), मोहित कुमार (कक्षा सप्तम), अंकुर साह (कक्षा षष्ठम), पैतक सिंह (कक्षा सप्तम), सुमित कुमार (कक्षा नवम), संभव कुमारी (कक्षा चतुर्थ), समर वर्मा (कक्षा सप्तम), मानशी कुमारी (कक्षा नवम), अमित कुमार (कक्षा दशम) शामिल हैं। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि खेलों में ऐसी उपलब्धियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमाण हैं।

संक्षिप्त खबरे

गोमिया में आउटसोर्सिंग कर्मियों द्वारा बकाया मानदेय सहित अन्य मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू



नवप्रदेश, गोमिया : गोमिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के आउटसोर्सिंग कर्मियों द्वारा बकाया मानदेय सहित अन्य कई मांगों को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दिया है। इस संबंध में आउटसोर्सिंग कर्मियों ने बताया कि गोमिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आउटसोर्सिंग कर्मी राइडर सिक्युरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड राची के अधीन कार्यरत हैं। लेकिन पिछले छह मास से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है और बीते सात वर्षों से डीपीए एवं ईएसआई का कटौती नहीं किया गया है। इस बारे में पूर्व में कई बार कर्मियों द्वारा विभाग के जिला कार्यालय को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन इस बारे में आउटसोर्सिंग कर्मियों के प्रति कोई पहल नहीं किया गया। जिससे हम सभी कर्मियों के समक्ष

आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। वहीं बच्चों के स्कूल फीस, ट्यूशन फीस एवं अन्य सामग्री के लिए किसी के मोहताज होना पड़ रहा है। अंत में बाध्य होकर हमलोगों को अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाना पड़ा है। मौके पर मो इम्तियाज आलम, हीरालाल स्वानी, महेश महतो, नीतीश कुमार, सुरेश कुमार, रीना कुमारी,पुनीता कुमारी,सुजीत कुमार, दिलीप राम, उमा खलखो, प्रेमसागर प्रसाद,खुशबू कुमारी, राखी कुमारी,लक्ष्मी देवी, विकी कुमार, युगेश प्रसाद सहित कई कर्मी शामिल थे। इस बारे में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ जितेंद्र कुमार ने बताया कि आउटसोर्सिंग कर्मियों के विभिन्न मांगों की सूचना जिला स्वास्थ्य विभाग को दे दिया गया है।

बोकारो में विस्थापित मंच ने सांसद दुल्लू महतो का पुतला फूँका, किया कड़ा विरोध



नवप्रदेश, बोकारो : सोमवार को नगर सेवा भवन के सामने बोकारो युवा विस्थापित विकास मंच के तत्वाधान में धनबाद लोकसभा सांसद दुल्लू महतो के खिलाफ पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंच के संरक्षक रघुनाथ महतो ने सांसद पर विस्थापित विरोधी एवं विकास विरोधी बयानबाजी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बोकारो विधानसभा क्षेत्र के विस्थापितों ने कई मेहनत कर इन्हें सांसद चुना था, लेकिन दुल्लू महतो ने जनता की अपेक्षाओं पर खरा न उतरेते हुए अतिक्रमणकारियों का समर्थन किया है। रघुनाथ महतो ने बताया कि बीएसएल प्रबंधन शहर के विकास के लिए अतिक्रमण हटाकर हवाई अड्डा से उड़ान सेवा शुरू करने की तैयारी कर रहा है, जबकि सांसद महतो इसके विरोध में जिला प्रशासन और बीएसएल प्रबंधन को धमकी दे रहे हैं,

जो न्यायपालिका और प्रशासन के खिलाफ गंभीर मामला है इस मौके पर मंच के संयोजक अधिवक्ता राकेश महतो ने बताया कि सांसद महतो विस्थापितों के हितों के खिलाफ कार्रवा कर रहे हैं और बोकारो में उनका प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विस्थापितों ने इन्हें इसलिए जीताया था ताकि बीएसएनएल अप्रेंटिस में स्थानीय विस्थापितों को नियोजन मिले और इंजीनियरिंग कॉलेज खोला जा सके, लेकिन सांसद महतो अतिक्रमणकारियों के साथ मिलकर अपनी राजनीतिक चमक बनाने में लगे हैं।राकेश महतो ने सांसद को चेतावनी दी कि वे अपने विवाचित बयानों के लिए सार्वजनिक माफ़ी मांगें और सेवा शुरू करने की तैयारी कर रहा है, जबकि सांसद महतो इसके विरोध में जिला प्रशासन और बीएसएल प्रबंधन को धमकी दे रहे हैं, वापिस दितलएंगे।

रोटरी गिरिडीह 18 वर्ष तक के हृदय रोगग्रस्त बच्चों का निशुल्क ऑपरेशन करवाएगी

नवप्रदेश, गिरिडीह : रोटरी गिरिडीह द्वारा उन गरीब बच्चों का, जिनकी उम्र 18 वर्ष तक हो और वह कोई भी तरह का हृदय रोग से ग्रसित हो ज्यादातर उन बच्चों का जिनके हृदय में छेद हो, उन सभी बच्चों का ऑपरेशन रोटरी गिरिडीह गिफ्ट ऑफ लाइफ के सहयोग से कोच्चि में अमृता हॉस्पिटल में निशुल्क कराएगी, इस कार्य में रोटरी गिरिडीह को सहयोग इनर हील क्लब सप्ताशान,IMA, इंडियन सर्जन समूहन का भी मिल रहा है. इसमें झारखण्ड सरकार का भी सहयोग मिल रहा वृष्ट्र द्वारा, जिन-जिन बच्चों को हृदय में परेशानी है वह सभी 11 और 12 जनवरी 2026 को लॉटरी आई हॉस्पिटल में आकर अपना स्कैनिंग करवाएंगे उसी दिन बच्चों का स्लेक्शन होगा इसउसके बाद यहां से अमृता हॉस्पिटल कोचीं उसको जाना होगा जहां पर उनका निशुल्क ऑपरेशन होगा बच्चों के साथ उनके दो

अभिभावक जा सकते हैं जिनका रहना और खाना-पीना के भी व्यवस्था हमारे संस्थान के द्वारा होगा, ए वुमन हमारे सर्जनों में 4 से 5 लाख का खर्च आता है लेकिन यह सर्जरी बच्चों के लिए रोटरी द्वारा निशुल्क की जाएगी. 300 बच्चों का इस तरह का निशुल्क ऑपरेशन करवाएंगे को लक्ष्य रोटरी गिरिडीह ने लिया है रोटरी गिरिडीह का उद्देश्य है कि खासकर हमारे गिरिडीह जिला में हृदय से ग्रसित एक भी बच्चा ना हो सब के होंटो पर मुस्कान हो और वह अभिभावक गार्जियन को अपने बच्चों का इलाज आर्थिक तंगी के कारण नहीं करवा पा रहे हैं उनका लॉटर्रीगार्जियन जो अपने बच्चों का इलाज आर्थिक तंगी के कारण नहीं करवा पा रहे हैं उनका रोटरी गिरिडीह सहयोग गिरिडीह सहयोग करेगी, यह सब जानकारी इस प्रोजेक्ट के अध्यक्ष विजय सिंह और को थेयरमेन नंदन दारु का द्वारा दी गई है।

जिला अधिवक्ता संघ के निर्वाचित पदाधिकारियों को मिला प्रमाण पत्र, कराया गया शपथ ग्रहण

नवप्रदेश, गिरिडीह : जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को इलेक्शन कमेटी के द्वारा सोमवार को संघ भवन के सभागार परिसर में प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस मौके पर स्टेट बार काउंसिल के द्वारा नियुक्त इलेक्शन कमेटी के रिटर्निंग ऑफिसर महेंद्र देव, केशव दाराद और प्रमोद सिंह ने बार एसोसिएशन के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस क्रम में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पद पर विजय हुए प्रकाश सहाय, उपाध्यक्ष विशाल आनंद, महासचिव चुनू कांत, संयुक्त सचिव प्रशासन शिवेंद्र कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव पुस्तकालय शुभोनील सामंता, कोषाध्यक्ष अमित कुमार सिन्हा, सहायक कोषाध्यक्ष

दिनेश कुमार राणा सहित 9 कार्यकारिणी सदस्य में शामिल अमित सिन्हा, विनोद कुमार पासवान, उमम कुमार सिन्हा, वैभव विशाल, विनोद कुमार यादव, भुवनेश्वर महश्रा, श्रुति सौम्या, बलराम राम व दिनेश प्रसाद शर्मा को शीत का प्रमाण पत्र देने के साथ ही शपथ ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के अध्यक्ष प्रकाश सहाय व महासचिव चुनूकांत के अलावे अन्य पदाधिकारियों ने सभी अधिकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूरी कमीटी अधिवक्ता हित के लिए काम करेगी। इस दौरान उन्होंने अधिवक्ता प्रोटेक्शन बील को शीघ्र लागू कराने के लिए सरकार पर उतरकर आंदोलन करने की भी बात कही।

पूर्व वार्ड पार्षद शिवम आजाद की पिटाई, दो युवकों सहित कई पर FIR दर्ज

नवप्रदेश, गिरिडीह : शहर में पूर्व वार्ड पार्षद और जमीन कारोबारी शिवम आजाद के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस संबंध में शिवम की मां सरिता श्रीवास्तव ने नगर थाना में आवेदन देकर दो युवकों—गांडेय के महेशमुंडा निवासी राहुल यादव और सचिन यादव—पर गंभीर आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। सरिता ने आवेदन में बताया कि राहुल और सचिन लंबे समय से शिवम के मोबाइल पर गतत और अप्रतिजनक संदेश भेज रहे थे। इसी विवाद को लेकर दोनों ने अपने 7-8 साथियों के साथ मिलकर शहर के गांधी चौक बुलाकर शिवम की

जमकर पिटाई की। घटना में शिवम गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

बेतला नेशनल पार्क : जंगल, झरने और वन्यजीवों का अद्भुत संसार



बब्लू खान

लातेहार और पलामू जिले की सीमा पर फैला यह पार्क न सिर्फ हरियाली की आत्मा है, बल्कि झारखंड की प्राकृतिक पहचान भी है। साल और बांस के घने जंगलों, ऊंचे पहाड़ों, ठंडी हवा, बहते झरनों और दुर्लभ वन्यजीवों के बीच बसा बेतला एक ऐसा संसार रचता है जहाँ प्रकृति अपनी असली भाषा में बोलती है शांत, रहस्यमयी और बेहद मोहक। यह वही स्थान है जिसे 1974 में देश के पहले नौ टाइगर रिजर्व में शामिल किया गया और बाद में 1986 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया। लगभग

226.32 वर्ग किलोमीटर में फैले इय पार्क में प्रवेश करते ही ऐसा लगता है मानो एक अलग ही दुनिया में कदम रख दिया हो ऐसी दुनिया जो इसानी भीड़-भाड़ से दूर, प्रकृति की गोद में एक शांत, सुरक्षित और रोमांचकारी अनुभव देती है।

लातेहार झारखंड की धरती पर बसे जंगलों की खूबसूरती का वर्णन करने बैठें, तो सबसे पहले मन में जिस स्थान की छवि उभरती है, वह है बेतला नेशनल पार्क। लातेहार और पलामू जिले की सीमा पर फैला यह पार्क न सिर्फ हरियाली की आत्मा है, बल्कि झारखंड की प्राकृतिक पहचान भी है। साल और बांस के घने जंगलों, ऊंचे पहाड़ों, ठंडी हवा, बहते झरनों और दुर्लभ वन्यजीवों के बीच बसा बेतला एक ऐसा संसार रचता है जहाँ प्रकृति अपनी असली भाषा में बोलती है शांत, रहस्यमयी और बेहद मोहक। यह वही स्थान है जिसे 1974 में देश के पहले नौ टाइगर रिजर्व में शामिल किया गया और बाद में 1986 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया। लगभग

226.32 वर्ग किलोमीटर में फैले इस पार्क में प्रवेश करते ही ऐसा लगता है मानो एक अलग ही दुनिया में कदम रख दिया हो ऐसी दुनिया जो इसानी भीड़-भाड़ से दूर, प्रकृति की गोद में एक शांत, सुरक्षित और रोमांचकारी अनुभव देती है।

जंगल का जादू : जब रास्ता खुद आपको रास्ता दिखाता है



और जीवंत भी।धीरे-धीरे बढ़ती हवा की सरसराहट, चिड़ियों की मधुर आवाजें, और बीच-बीच में दूर कहीं से आती सियाह की पुकार, हर पल एक नया एहसास देती है। चाहे आप प्रकृति प्रेमी हों या फोटोग्राफर बेतला आपको हर कदम पर एक नया कैनवास देता चलता है।

वन्यजीवों का साम्राज्य : बेतला की असली धड़कन

बेतला को अलग पहचान इसके समृद्ध वन्यजीव देते हैं। यह पार्क पलामू टाइगर रिजर्व का हिस्सा है और यहां कई महत्वपूर्ण प्रजातियां पाई जाती हैं। कुछ भायशाली पर्यटक बाघ की झलक भी पा लेते हैं, पर तेंदुआ, सांभर, चीतल, गौर, नीलगाय और जंगली भालू देखना यहां आम है।हाथियों के झुंड बेतला की शान हैं।अक्सर सफारी के दौरान ये विशालकाय जीव सड़क पार करते

दिख जाते हैं। मोर की सुरीली आवाज और उसका पंख फैलाकर नृत्य करना देखकर हर व्यक्ति मंत्रमुग्ध हो जाता है। यहां कई तरह की पक्षी प्रजातियां भी मिलती हैं— बार्किंग डियर, हॉर्नबिल, पेंटेड स्टार्क और दर्जनों दुर्लभ पक्षियों की मौजूदगी इस जगह को बर्डवॉचिंग के लिए भी आदर्श बनाती है।

जंगल सफारी : वह रोमांच जिसे भूल पाना मुश्किल

बेतला की जंगल सफारी पर्यटकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण है। सुबह की पहली किरणों में खुलने वाला जंगल ऐसा लगता है मानो किसी ने हरे पदों के पीछे छिपी दुनिया को अचानक खोल दिया हो।जोप धीमी गति से चलती है और हर कुछ मिनटों में कोई न कोई जीव आपकी नजरों के सामने आ जाता है। कई बार हिरणों के झुंड सड़क किनारे उछलते-कूदते मिल जाते

एक ऐसा माहौल बना देते हैं, जिसे शहरों में महसूस करना असंभव है।

ट्री हाउस : पेड़ों की गोद में रात्रि विश्राम का अनोखा आनंद

बेतला आने वालों के लिए रात में रुकना अपने आप में ख़ास अनुभव है।पार्क में बने ट्री हाउस न सिर्फ खूबसूरत हैं बल्कि रोमांच से भरपूर भी।पेड़ों पर बने ये कमरे जंगल की असली आत्मा को महसूस करने का मौका देते हैं।

झरनों और पहाड़ियों की अनोखी दुनिया बेतला में है पलामू किला

जंगल के भीतर कई खूबसूरत झरने है जो बरसात और सर्दियों में अपनी पूरी शान में दिखाई देते हैं।पानी की गिरते धाराएं पहाड़ियों की गुंज और आसपास की हरियाली मिलकर अनोखा दृश्य बनाते हैं।सैलानी यहां फोटो खिंचवाना पसंद करते हैं और घंटों बैठकर प्राकृतिक को निहारतेहैं। वहीं बराल में पलामू किला भी बेतला का एक महत्वपूर्ण आकर्षण है। ये ऐतिहासिक किला दो जंगलों के बीच पहाड़ी पर स्थित है और दो हिस्सों में बंटा है।पुराना और नया किला जहां यहां से जंगल का नजारा बेहद भव्य दिखाई देता है।

झरनों की फुहार और पहाड़ों की ठंडक

बेतला सिर्फ जंगल नहीं, बल्कि झरनों और पहाड़ी घाटियों का भी घर है।बारिश के मौसम में ये झरने पूरे शबाब पर रहते हैं और पर्यटक उनके पास बैठकर घंटों प्राकृतिक संगीत का आनंद लेते हैं। यहां की नदियाँ— रामगंगा, सोनानदी और मंडल—चारों ओर की हरियाली को और भी जीवंत बना देती हैं। ठंडी हवा, पानी के गिरने की आवाज और चारों तरफ फैली प्रकृतिद्व्व बेतला में यह सब मिलकर

ट्रिपल बेड एसी रूम -2500

रात में पेड़ों की सरसराहट और दूर से आती जंगल की आवाजों के बीच सोना–यह उन अनुभवों में से है जिसे शब्दों में बांधा नहीं जा सकता।

बुकिंग बेहद आसान ऑनलाइन भी और ऑफलाइन भी

पर्यटक अपनी पसंद के ट्री हाउस या रूम की बुकिंग पलामू टाइगर रिजर्व की आधिकारिक वेबसाइट से कर सकते हैं। इसके अलावा मोबाइल नंबर 62050-53015 पर संपर्क कर ऑफलाइन बुकिंग भी संभव है।जो लोग निजी होटल पसंद करते हैं, उनके लिए भी पार्क के आसपास कई अच्छे लॉज उपलब्ध हैं, जहाँ ७1000ब्र७1200 प्रतिदिन तक में कमरे मिल जाते हैं।

भोजन की चिंता नहीं टूरिज्म कैटेनर है शानदार

पार्क के अंदर ही वन विभाग द्वारा एक सुंदर टूरिज्म कैटेनर बनाई गई है, जो सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक खुली रहती है। यहां स्वादिष्ट और साफ भोजन की सुविधा किफायती दरों पर उपलब्ध है।

वेज थाली- 150 रुपये
नॉनवेज थाली- 200 रुपये
चावल- 40 रुपये
दाल- 30 रुपये
चिकन-150 रुपये
अंडा करी- 50 रुपये
पुड़ी-सब्जी- 80 रुपये
रोटी- 10 रुपये

एक साथ 24 लोग बैठकर भोजन कर सकते हैं, और भोजन की गुणवत्ता पर्यटकों की पहली पसंद बनी हुई है।

गोवा की त्रासदी और भ्रष्टाचार की वह आग जिसने 25 जीवन छीन लिए

गोवा की वह रात आज भी भारत की सामूहिक स्मृति में एक गहरे घाव की तरह दर्ज है, एक ऐसा घाव जिसका दर्द सिर्फ उन 25 परिवारों ने नहीं झेला जिनके घरों के चिराग उस हादसे में बुझ गए, इसे तो पूरे समाज ने महसूस किया है। सिलेंडर विस्फोट सिर्फ एक दुर्घटना नहीं है; वह उस अदृश्य लेकिन सर्वव्यापी दानव भ्रष्टाचार का गन, क्रूर और निर्दयी चेहरा है जिसने मानव जीवन की पवित्रता को पैसों की चकांध में कुचलकर रख दिया। वह वलत खिस नियमों के अनुसार ध्वस्त कर दिया जाना चाहिए था, जहाँ कानूनी मानकों का पालन अनिवार्य था, वहाँ कुछ व्यक्तियों के लातल ने कानून को अपनी जेब में रखा और रिश्तत की आग में जन जीवन की सुरक्षा को भस्म कर दिया। यह वही क्षण था जहाँ प्रशासनिक सत्य दम तोड़ गया और भ्रष्टाचार एक मौन व्हप्पार की तरह भीतर तक उतर गया। परिणाम 25 जीवन राख में बदल गए, 25 परिवारों के भविष्य दफन हो गए और अनगिनत सपनों की ली हमेशा के लिए बुझ गईं। भ्रष्टाचार की सबसे भयावह सच्चाई यही है कि उसका दंड अफसर अपराधी को नहीं मिलता; वह उन निर्दोष लोगों पर टूटता है जिनका अपराध से कोई लेना देना ही नहीं होता। यही सामाजिक त्रासदी है और यही हमारी सामूहिक नैतिक फिलतल। इस घटना में दोष उन हाथों का है जिन्होंने नियमों की अनेदखी की, कागजों पर झूठी अनुमति लिखी, निरीक्षण को औपचारिकता में बदल दिया और एक इमारत को गैर कानूनी सहारे पर खड़ा रहने दिया। पर दंड मिला उन मासूम लोगों को, जो न आनंद की रात की कल्पना से बाहर थे और न किसी खतरे की आहट से परिचित। जीवन कभी–कभी इतनी विदेशी पर्यटकों, को संख्या में भारी वृद्धि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए सकारात्मक साबित हो रही है।

समग्रतः देखा जाए तो कभी–कभी वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच देश अपनी मुद्रा को निर्यात रूप से अवमूल्यित होने देते हैं, क्योंकि इससे निर्यात बढ़ने में सहायता मिलती है और दीर्घकाल में यह कदम देशहित में उपयोगी सिद्ध होता है। अतः वर्तमान परिप्रेक्ष्य में रुपए का अवमूल्यन कई वैश्विक कारकों की उपज है, न कि भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरी का संकेत। यदि भारत निर्यात में वृद्धि, आयात में कमी, ऊर्जा आवलनिर्भरता, उत्पादन लागत में कमी तथा श्रम सुधारों के मार्ग पर आगे बढ़ता रहा, तो यह स्थिति भविष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का अवसर भी प्रदान कर सकती है।

माह जनवरी 2025 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बाजार में भारतीय रुपए का मूल्य 85.79 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर था, किंतु 3 दिसम्बर 2025 तक रुपए का मूल्य लगभग 5 प्रतिशत गिरकर 90.19 रुपए प्रति डॉलर हो गया। यह गिरावट हाल के समय की सबसे बड़ी दर्ज गिरावटों में से एक है। आश्चर्य की बात यह है कि जब भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के कई संकेत दे रही है, जैसे वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत के आठ-तिमाही उच्च स्तर पर पहुँचना और खुदरा मुद्रास्फीति का मात्र 0.25 प्रतिशत के निम्न स्तर पर आ जाना, तब भी एशियाई देशों में मुद्रा अवमूल्यन की दृष्टि से भारतीय रुपया सबसे तेज गिरावट वाला दिखाई दे रहा है। इसका स्पष्ट संकेत है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती के बावजूद कुछ वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम रुपए पर नकारात्मक दबाव बना रहे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण कारण है ट्रम्प प्रशासन द्वारा वैश्विक व्यापार पर बढ़ाया गया टैरिफ दबाव। अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर उच्च शुल्क लागू किए हैं, और भारत से होने वाले कुछ विशेष निर्यातों जैसे रेडीमेड गारमेंट्स, कृषि व लेदर उत्पाद, समुद्री जीव उत्पाद तथा जेम्स एवं ज्वेलरी पर तो 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप भारत से इन उत्पादों का निर्यात प्रभावित हुआ है और डॉलर का अंतरप्रवाह कम हुआ है। हाल की तिमाही में भारत का कुल आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर रहा



जबकि निर्यात मात्र 10,500 करोड़ डॉलर रहा, जिससे 8,000 करोड़ डॉलर का भारी व्यापार घाटा बना। अक्टूबर 2025 में विदेशी व्यापार घाटा और बढ़कर 4,100 करोड़ डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुँच गया। व्यापार घाटे की यह वृद्धि भारत में अमेरिकी डॉलर की माँग को बढ़ाती है, जिससे रुपए पर अवमूल्यन का दबाव और तेज हो जाता है। दूसरा बड़ा कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) द्वारा भारतीय पूंजी बाजार से तीव्र निवेश निकासी है। वर्ष 2025 में अब तक FII ने 1.48 लाख करोड़ रुपए अर्थात 1,640 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य का निवेश निरकल लिया है। वे यह धन डॉलर में ही निकालते हैं, जिससे बाजार में डॉलर की माँग बढ़ती है और रुपए की कीमत और कमजोर होती जाती है। सामान्यतः दुनिया की

रुपए के तेज अवमूल्यन की स्थिति में भारतीय रिजर्व बैंक प्रायः हस्तक्षेप करते हुए बाजार में डॉलर की उपलब्धता बढ़ाता है। मध्य सितम्बर 2025 तक फ्फक 2,000 करोड़ डॉलर बाजार में जारी कर चुका था, परंतु हाल के समय में फ्फक द्वारा कोई सीधा हस्तक्षेप नहीं किया गया। इसका उद्देश्य यह प्रतीत होता है कि

कार्यरत है और उल्लेखनीय सफलता भी प्राप्त हो रही है। इसी प्रकार स्वर्ण आयात को कम करने के लिए घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर भी गंभीरता से विचार करना आवश्यक है। यदि भारत कच्चे माल का अधिकाधिक घरेलू उत्पादन सुनिश्चित कर ले और उत्पादन लागत को कम कर ले, तो भारतीय उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं।

उत्पादन की लागत को कम करने हेतु व्याज दरों में कमी एक महत्वपूर्ण कदम होता है। इसी दिशा में भारतीय रिजर्व बैंक ने 5 दिसम्बर 2025 को रेपो दर को 5.50 प्रतिशत से घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया। साथ ही, 21 नवम्बर 2025 से देश में लागू की गई चार श्रम संहिताओं वेंतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य शर्त संहिता 2020 ने श्रम कानूनों की जटिलताओं को कम करके उन्हें अधिक कारगर बनाया है।

इन चार संहिताओं द्वारा पूर्व में लागू 29 श्रम कानूनों को सरल, आधुनिक और प्रभावी बनाया गया है। इससे न केवल श्रमिकों को उचित वेतन, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर कार्य परिस्थितियाँ मिलेंगी, बल्कि उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होगा, जिससे उत्पादनशीलता में वृद्धि होगी और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। श्रमिकों की उत्पादकता बढ़ने से उत्पादन लागत घटेगी और भारतीय उत्पाद वैश्विक प्रतिस्पर्धा में और मजबूत होंगे। यह सुधार भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में

भारतीय रुपए का अवमूल्यन विमर्श का नया अवसर

कैसे पहुँचे बेतला ?

निकटतम रेलवे स्टेशन बरवाडीह (12 किमी) डाल्टनगंज (25 किमी) दोनों स्टेशन रांची, पटना, दिल्ली, कानपुर, लखनऊ और मुगलसराय से अच्छी तरह जुड़े हुए हैं। रांची से दूरी: लगभग 170 किमी अधिकतर लोग वीकेंड ट्रिप के तौर पर यहाँ आते हैं।

मन में बस जाने वाला अनुभव बेतला नेशनल पार्क सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि प्रकृति का उत्सव है।वह वह जगह है जहाँ इंसान कुछ पल के लिए खुद को प्रकृति में खो देता है—जहाँ हवा में संगीत है, जंगलों में जीवन की धड़कन है, और शांति में भी एक अनोखी बात है।परिवार के साथ घूमने के लिए, बच्चों को प्रकृति से जोड़ने के लिए, या खुद के लिए कुछ शांत पल खोजने के लिए—बेतला एक आदर्श और अविस्मरणीय गंतव्य है।

बेतला नेशनल पार्क की प्रमुख खासियतें

स्थान : लातेहार-पलामू, झारखंड
क्षेत्रफल : 226.32 वर्ग किमी
स्थापित : 1974 (टाइगर रिजर्व), 1986 (राष्ट्रीय उद्यान)
मुख्य वनस्पति : साल और बांस
प्रमुख वन्यजीव : बाघ, तेंदुआ, हाथी, गौर, नीलगाय, सांभर, चीतल, भालू, मोर
प्रमुख आकर्षण : जंगल सफारी, झरने, पहाड़, झीलें, पक्षियों की विविधता
बुकिंग : ऑनलाइन/ऑफलाइन
खुलने का समय : साल भर
9 बजे - शाम 5 बजे (अनुसार बदलाव संभव)

है। यह केवल धार्मिक उपदेश नहीं है, यह तो समाज व्यवहार का कठोर मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है। भ्रष्टाचार से कमाया गया हर पैसा, हर सुविधा, हर अनुचित लाभ एक कर्म ऋण लेकर आता है। एक ऐसा ऋण जिसे समय किसी न किसी रूप में वसूल ही लेता है। कई बार प्रकृति वह दंड उसी से नहीं लेती जिसने गलती की; वह दंड समाज को सहना पड़ता है, व्यवस्था को चुकाना पड़ता है या किसी मासूम की अकाल मृत्यु के रूप में सामने आता है। गोवा की यह घटना इस कर्म ऋण की भयावह परिणति है। हम अक्सर कहते हैं कि भ्रष्टाचार सिस्टम की कमजोरी है, पर गोवा का सच कहना है कि भ्रष्टाचार दरअसल एक मानव हत्या की प्रक्रिया है। यह किसी एक विभाग, एक अफसर, एक व्यापारी का दोष नहीं; यह समाज के उस सामूहिक मौन का परिणाम है जहाँ कानून को कमजोर करने वालों को हम देखते तो हैं, पर हाथ नहीं उठाते, गलत को पक्षजानते हैं, पर बोलेने का साहस नहीं करते। जब कानून की जगह पैसे का दम लेता है और नैतिकता की जगह लाभ का गणित बैठ जाता है, तब दुर्घटनाएँ आकस्मिक नहीं रह जाती; ये नियोजित परिणाम बन जाती हैं। सुरक्षा एक भ्रम की तरह टूटता है और जीवन एक संख्या में बदल जाता है। अब प्रश्न यह है कि क्या हम केवल अंकड़ों तक सीमित रहने वाले समाज बन जाएंगे? क्या 25 की संख्या हमें एक दिन रुलाएगी और अगले दिन हम आगे बढ़ जाएंगे? क्या मासूमों का यह बलिदान केवल कुछ दिनों की खबर बनकर रह जाएगा या यह हमें भीतर तक झकझोर कर उत्प्रेरित करेगा कि भ्रष्टाचार किसी एक का दोष नहीं। यह हमारी सामूहिक सहिष्णुता की उपज है। यदि समाज भ्रष्टाचार को सामान्य मानकर चलता रहेगा, तो ऐसी त्रासदियाँ अपवाद नहीं, धीरे धीरे नियम बन जाएंगीं। ऐसे में यही वह क्षण है जहाँ हमें अपने भीतर झाँकना होगा। हम कहाँ फूक रहे हैं? कब जागेंगे? कब बोलेंगे? कब विरोध करेंगे? गोवा की यह पीड़ा चेतावनी है कि भ्रष्टाचार का फल कभी न कभी प्रकट होता ही है। चाहे सत्ता के पतन में, चाहे परिवारों के विनाश में, चाहे मासूम जीवन की अकाल मृत्यु में। केवल अपराधी का नाम दंड लेना पर्याप्त नहीं; समाज को स्वयं से भी पुष्टना होगा कि हम कब जागेंगे? हम अपने अवचरण में कब परिवर्तन लाएंगे? सावधानी हटी, दुर्घटना घटी। यह शःद कहावत तक सीमित नहीं है; ये एक जन त्रासदी का कठोर संरस्य है। अब प्रश्न यह नहीं कि दोषी कौन है; बल्कि यह है कि भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने की सामूहिक जिम्मेदारी कौन उठाएगा? व्यक्ति, समाज, प्रशासन और सरकार सभी को विचार करना होगा, निर्णय लेना होगा और कार्रवाई करनाव है। सबसे आसान है नियति को दोष देकर आगे बढ़ जाना; पर मानवता उससे कहीं बड़ा प्रश्न पूछती है कि क्या 25 जीवनो का मूल्य केवल शोक के कुछ शब्दों में सिमट सकता है या हम उनका गुनगुना जिम्मेदारी बनकर चुकाएँगे।

हैदरनगर के इस्लामगंज में मोटर पाटर्स दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

बिजली विभाग की लापरवाही से बढ़ रही हादसों की संख्या

नवप्रदेश/हैदरनगर, पलामू हैदरनगर थाना क्षेत्र के इस्लामगंज में सोमवार को एक मोटर पाटर्स एवं टायर दुकान अचानक आग की चपेट में आ गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और कुछ ही देर में पूरा दुकान जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना अग्निशमन विभाग और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही हैदरनगर थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद



आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक दुकान में रखा लगभग सारा सामान नष्ट हो चुका था। दुकानदार खुशींद ने बताया कि इस हादसे में करीब पांच लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि दुकान में रखे

उपकरण, मशीनरी और अन्य सामग्री पूरी तरह जल गई हैं। आग लगने के दौरान वह खुद ग्राहकों के साथ दुकान में मौजूद थे, लेकिन समय रहते सभी ने बाहर भागकर अपनी जान बचायी। स्थानीय लोगों के अनुसार, दुकान के पास लगे

बिजली मीटर में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके बाद आग की लपटें तेजी से फैल गईं। लोगों का आरोप है कि पिछले कई महीनों से हैदरनगर क्षेत्र में लो और हाई वोल्टेज की गंभीर समस्या बनी हुई है। वोल्टेज में बार-बार उतार-

चढ़ाव के कारण उपकरण जलने और शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं निवासियों का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते आम लोगों को आए दिन क्षति उठानी पड़ रही है। इसके बावजूद विभाग द्वारा इस समस्या के समाधान के प्रति कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों ने बताया कि ठीक एक सप्ताह पहले भी हैदरनगर बाजार में शॉर्ट सर्किट के कारण एक ज्वेलरी एवं बर्तन दुकान में आग लगी थी, जिसमें लाखों रुपये का नुकसान दुकानदार को उठाना पड़ा था। लगातार हो रही इन

घटनाओं को देखते हुए व्यवसायियों व स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और बिजली विभाग से तत्काल क्षेत्र की बिजली व्यवस्था में सुधार की मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन दुकानदारों को शॉर्ट सर्किट के कारण आर्थिक नुकसान हुआ है, उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए ताकि वे फिर से अपने कारोबार को संभाल सकें।क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत और स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो ऐसी घटनाएं भविष्य में और बड़े हादसों का रूप ले सकती हैं।

पलामू वासियों के लिए खुशखबरी मेदिनीनगर शाहपुर कोयल नदी पर नया पुल बनने के लिए मिला मंजूरी



मेदिनीनगर पलामू/मेदिनीनगर, शाहपुर कोयल नदी पुल बनने के के लिए आज कैबिनेट मंत्री द्वारा मंजूरी दे दिया गया, क्षेत्रीय विधायक आलोक चौरसिया ने, पुल निर्माण व सड़क को लेकर विधानसभा में उठाया, था मुद्दा आय दिन

सहर में पूल के कारण लगता था जाम श्री चौरसिया ने कहा की यह पूल बनने से, दिहाड़ी, मजदूरी करने वाले लोगों को काफी सहूलित मिलेगी, एक पुल होने से, जाम का स्थिति बना रहता है ऐसे में, कितने लोग समय से अपने ग्रंथव्य तक नहीं पहुंच पाते थें, यह पूल बनने से, गढ़वा शाहपुर, चैनपुर, व अन्य सहर व गांव के ग्रामीणों को राहत मिलेगा

इलाज के बहाने घर बुलाकर महिला के साथ दुष्कर्म छतरपुर पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

नवप्रदेश/छतरपुर पलामू/ छतरपुर थाना क्षेत्र में एक महिला द्वारा दर्ज गंभीर शिकायत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए,दुष्कर्मी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

पीड़िता ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि वह अपने ससुराल नौडीहा बाजार में रहती है और उसके पति बाहर काम करते हैं। जब बच्चे की हालत बिगड़ती है, तो वह अक्सर हटुकदग गांव में स्थित संजय कुमार के क्लिनिक में इलाज कराती थी।

क्या है पूरा मामला?

बीते पांच दिसंबर को बच्चे की तबीयत खराब होने पर वह फिर संजय कुमार के क्लिनिक गईं। आरोप है कि बच्चे को देखकर संजय कुमार ने कहा कि बच्चे को सर्दी हो गई है और भाप देना पड़ेगा। इसी दौरान आरोपी संजय कुमार ने महिला से कहा कि आप मशीन उनके घर में रखी है, इसलिए उसे वहां आना होगा।

जैसे ही पीड़िता अपने बच्चे के साथ आरोपी के घर पहुंची, संजय कुमार ने उसका दरवाजा बंद कर दिया और दुष्कर्म किया। विरोध

नाबालिग को भगाने के आरोपी को पुलिस ने हरियाणा से किया गिरफ्तार



नवप्रदेश/हरिहरगंज पलामू/ पीपरा थाना क्षेत्र की नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने मुख्य अभियुक्त हरताप कुमार उर्फ हरिताप (पिता नंदलाल राम), निवासी पीपरा गांव को हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार कर लिया. वह 13 नवंबर 2025 को दर्ज पीपरा थाना कांड संख्या 58/2025 का नामजद अभियुक्त था, और घटना के बाद से फरार चल रहा था. थाना प्रभारी बिमल कुमार ने बताया कि सर्विलांस और स्थानीय इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने हरियाणा में दबिश दी और आरोपी को गिरफ्तार किया. थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस ऐसे मामलों में गंभीर है और नाबालिगों से जुड़े अपराधों पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है. अभियुक्त को विधि सम्मत कार्रवाई के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. इस मौके पर थाना प्रभारी सहित एसआइ नकुल शर्मा सहित पुलिस जवान मौजूद थे.

रांची में जीसा की राज्य स्तरीय बैठक संपन्न

सफलता में सबों का साथ महत्वपूर्ण रहा है: अविनाश बर्मा

नवप्रदेश/मेदिनीनगर पलामू/ एच एम पब्लिक स्कूल लोअर चुटिया रांची में झारखंड इंडिपेंडेंट स्कूल एलायंस जीसा की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष अविनाश कुमार वर्मा ने किया एवं संचालन एच एम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य व बैठक आयोजनकर्ता अरविंद कुमार ने किया।

विदित हो कि आज की बैठक 18 नवंबर को माननीय उच्च न्यायालय झारखंड के निर्देश के आलोक में भावी रणनीति पर विचार विमर्श के साथ संगठन के पुनर्गठन और

विस्तार पर केंद्रित था। बैठक में सर्वप्रथम जीसा के पदाधिकारियों के द्वारा मां सरस्वती की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दीप प्रज्वालित कर बैठक प्रांश किशवा जहां जीसा के वरीय उपाध्यक्ष प्रवीण दुबे व मुकेशदा दायरकर्ता ने विस्तार पूर्वक वस्तु स्थिति से अवगत कराया। जबकि राज्य के बारह जिलों से है दर्जनों विद्यालय संचालकों और सदस्यों ने उक्त बैठक से संबंधित अपने सुझाव और विचारों को व्यक्त करते हुए जीसा पर भरोसा व्यक्त करते हुए नेतृत्वकर्ता का पूरजोर समर्थन किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में केंद्रीय अध्यक्ष अविनाश वर्मा ने सर्वप्रथम माननीय उच्च न्यायालय झारखंड द्वारा राज्य सरकार की करवाई पर

स्टे लगाए जाने के निर्देश को एसोसिएशन की जीत बताते हुए प्रसन्ना व्यक्त करते हुए सभी लोगों के विचारों को जाना। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय जाने की स्थिति पर बड़े और नामी वकील से विचार विमर्श करने का सुझाव देते हुए वर्तमान स्थिति में उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर सजक रहते हुए आर्थिक और मानसिक रूप के साथ शारीरिक रूप से भी सहयोग का सुझाव दिया। बैठक में अविनाश वर्मा ने सभी प्रमंडलों से दो-दो नाम संस्था के लिए मांगे हैं जो एक संगठन विस्तार और एक सर्वोच्च न्यायालय से संबंधित कार्यों को मूर्त रूप देने का कार्य करेंगे साथ ही साथ उन्होंने नई व्हाट्सएप टीम बनाने का भी सुझाव

दिया ताकि किसी भी प्रकार की सूचनाओं को त्वरित गति से साझा किया जा सके। बैठक में अविनाश वर्मा ने एसोसिएशन के पूर्व पदाधिकारी मोहम्मद उस्मान के नेतृत्व वाली संगठन के सदस्यों का स्वागत करते हुए खुंटी लोहरदगा और गुमला जिले से आए नए सदस्यों को धन्यवाद दिया। तत्पश्चात राष्ट्रीय गान के साथ बैठक समाप्त हुई जहां पलामू के वीरेंद्र दुबे ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक में पलामू- से अजय श्रीवास्तव के अतिरिक्त रांची से - अमीन अंसारी, सुभाष कुमार, रंजीत खत्री, मसूद कशी, पीके रथ, आलोक पांडे, जीषान अख्तर, विनोद टोप्पो, मोहम्मद अर्श, प्रीतम सिंह, मुकेश सिंह, प्रकाश महतो,

सरोज बैक, मोहम्मद महताब अंसारी, विष्णु देव कुमार, हुजूमफर अंसारी, सैयद अंसारी देवघर से - प्रेम कुमार, गौरीशंकर कुमार, रविंद्र कुमार ,खुंटी से - नीरज सिंह, अलता पांडे, गैल बरला लोहरदगा से- एम आलम, ज्ञान गंगा सिंह धनबाद से - संजय चौबे, योगेश कुमार, सोमन घोष, चतरा से- मोहम्मद अफसर खान, शाकिर अहमद, आदित्य कुमार गुप्ता सचिंद्र पासवान, प्रदीप कुमार, मोहम्मद मुमताज आलम, हजारीबाग से- विनोद भगत, प्रभु दयाल कुशवाहा, एम एस महताब,

गुमला से वीरेंद्र साहू, नीतीश कुमार, शेखर कुमार, प्रवीण कुमार साह, विजय कुमार, राजेश महतो, एमडी तक्वर, कुंवर कुमार, बेकारो से - श्याम रूप महतो, दिलीप महतो, जय राठौर, बैजनथ महतो, तुलसी महतो, रूपल महतो, सतीश सिंह, बी अजाद, शंकर प्रसाद, रामगढ़ से- चित्तरंजन महतो, एम डी इरफान, एल चौधरी, कामेश्वर महतो, रामनाथ महतो, सुरेंद्र कुमार, राजेश महतो दुमका से- कमलदेव कुमार, नंदकिशोर पांडे, आनंद कुमार संदीप कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

लातेहार सदर अस्पताल में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था की खुली पोल

सांसद प्रतिनिधि डॉ चंदन कुमार के निरीक्षण में उजागर हुई गंभीर लापरवाही, मरीजों की जान से हो रहा खिलवाड़



बब्लू खान
नवप्रदेश/लातेहार। कहते हैं डॉक्टर भगवान का रूप होते हैं और अस्पताल वह स्थान, जहाँ लोगों को जीवन दोबारा मिलता है। लेकिन जब यही अस्पताल लापरवाही, भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का अड्डा बन जाए, तो मरीजों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। लातेहार सदर अस्पताल की वर्तमान स्थिति भी कुछ ऐसी ही तस्वीर पेश करती है, जहाँ गाइडलाइन की ध्वजियाँ उड़ाई जा रही हैं और व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई दिखती है। सदर अस्पताल प्राइवेट क्लीनिक प्राइवेट जांच के दलालों का बना अड्डा इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए सोमवार को सांसद प्रतिनिधि और स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. चंदन कुमार सिंह ने बढ़ती ठंड और बढ़ते मरीजों की संख्या को ध्यान में रखते हुए सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण

किया। सांसद चतरा कालीचरण सिंह के निर्देश पर किए गए इस निरीक्षण में उन्हें कई चौकाने वाली अनियमितताएँ देखने को मिलीं, जिन्होंने अस्पताल प्रशासन पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। निरीक्षण के दौरान सबसे पहले डॉ. चंदन अस्पताल के जनरल वार्ड पहुंचे, जहाँ उन्होंने देखा कि अधिकांश बेड पर बेडशीट तक नहीं बिछी हुई थी। टंड के इस मौसम में मरीजों को अस्पताल की ओर से कंबल उपलब्ध कराने की व्यवस्था नदारद थी, जिसके कारण कई मरीज अपने घर से कंबल लाकर इस्तेमाल करने को मजबूर थे। यह साफ दशाता है कि अस्पताल प्रबंधन बुनियादी सुविधाओं तक को लेकर

गंभीर नहीं है। खाने की गुणवत्ता भी बेहद खराब पाई गई। डॉक्टर चंदन ने मरीजों से बात की तो लोगों ने बताया कि अस्पताल में दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता न केवल मेन्यू के खिलाफ है, बल्कि खाने योग्य भी नहीं है। मरीजों ने शिकायत की कि ऐसा खाना उन्हें बीमारियों से लड़ने में मदद तो दूर, और ज्यादा कमजोर बना रहा है। यह स्थिति स्वास्थ्य विभाग के लिए बेहद शर्मनाक है। निरीक्षण के दौरान डॉ. चंदन आईसीयू (ICU) वार्ड भी पहुंचे। यहां जो स्थिति सामने आई, वह किसी भी अस्पताल की गंभीर लापरवाही को दर्शाती है। आईसीयू जैसे अति-संवेदनशील वार्ड में

सिर्फ एक प्रशिक्षित नर्स-अनु दीपा कुजूर-मौजूद थीं। बाकी नर्से आईसीयू प्रशिक्षण से पूरी तरह वंचित थीं, जो सीधे-सीधे स्वास्थ्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है। इतना ही नहीं, आईसीयू के बाहर किसी भी प्रकार का सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं था, जिससे किसी भी अनहोनी की आशंका बनी रहती है। निरीक्षण के दौरान जो सबसे गंभीर और चिंताजनक मामला सामने आया, वह था-ऑपरेशन करवाने आई एक गरीब आदिवासी महिला से 7,000 रुपये की अवैध वसूली का आरोप। मरीज पर ऑपरेशन थिएटर (OT) में काम करने वाले दीपक कुमार ने कथित रूप

से सैपल जांच के नाम पर 7,000 रुपये की मांग की थी। यह स्वास्थ्य सेवाओं का घोर दुरुपयोग है और सीधे-सीधे भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। इस घटना से आक्रोशित होकर डॉ. चंदन ने तत्काल संज्ञान लिया और उस महिला के सैपल की जांच अपने निजी खर्च पर कराने का निर्णय लिया। यह कदम न केवल मानवीय दृष्टिकोण को दर्शाता है, बल्कि इस भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ एक कड़े संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है। डॉ. चंदन ने कहा, स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सदर अस्पताल में जो अव्यवस्था और भ्रष्टाचार देखने को मिला है, वह बेहद निंदनीय है। इसकी विस्तृत रिपोर्ट सिविल सर्जन, उपायुक्त लातेहार और सांसद चतरा को भेजी जाएगी, ताकि दोषियों पर तत्काल कार्रवाई हो और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा मिल सके। निरीक्षण के दौरान उनके साथ छत्र नेता नागमणि और आजसू नेता मुकेश कुमार भी मौजूद थे, जिन्होंने अस्पताल में फैली अव्यवस्थाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा। लातेहार सदर अस्पताल जिले

का सबसे बड़ा सरकारी चिकित्सा केंद्र है, लेकिन वर्तमान स्थिति यह साबित करती है कि यहां न तो मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित है, न सुविधाएं, और न ही प्रशासन पर कोई नियंत्रण। अगर समय रहते सुधार नहीं हुआ, तो यह स्थिति किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती है। अस्पताल के भीतर फैली इन खामियों ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है-क्या हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था केवल कागजों पर ही चल रही है क्या गरीब मरीजों की जिंदगी की कीमत इस तरह वसूली और लापरवाही के बीच खो जाती रहेगी सांसद प्रतिनिधि के इस निरीक्षण ने कई छिपी खामियों को उजागर कर दिया है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इन पर कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी कई अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा। लातेहार में स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यह निरीक्षण निश्चित रूप से बड़ा कदम माना जा रहा है, लेकिन सुधार तब तक संभव नहीं जब तक अस्पताल प्रशासन पर कड़ी निगरानी और व्यवस्था में व्यापक सुधार न किए जाएं।

रेलवे फाटक बंद रहने से मरीज की मौत, ग्रामीणों के साथ JMM युवा मोर्चा ने भी आवाज बुलंद की

नवप्रदेश/बब्लू खान/लातेहार। चंदवा टोरी रेलवे क्रासिंग वर्षों से लातेहार जिले का सबसे गंभीर समस्या बिंदु बना हुआ है। प्रतिदिन कई बार लंबी अवधि तक फाटक बंद रहने से आमजन, व्यवसायियों, विद्यार्थियों और आपातकालीन सेवाओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ओवरब्रिज का निर्माण न होने के कारण चंदवा का विकास भी प्रभावित हो रहा है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (युवा मोर्चा) के जिला उपाध्यक्ष अंकित कुमार तिवारी ने इस समस्या को प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने बताया कि अत्यधिक रेलवे परिचालन के चलते क्रासिंग दिनभर कई बार बंद रहती है, जिससे एंबुलेंस तक घंटों फंस जाती है। हाल ही में दो दिन पूर्व एक गंभीर मरीज को अस्पताल ले जाने के क्रम में फाटक लंबे समय तक बंद रहा और मरीज समय पर चिकित्सा नहीं प्राप्त कर सका,



जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश और चिंता बढ़ा दी है। अंकित तिवारी ने इस मुद्दे को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) के माध्यम से रेलवे मंत्रालय तक पहुंचाया। उन्होंने स्थानीय अखबार में प्रकाशित खबर

की कटिंग साझा करते हुए मंत्रालय को टैग किया था। इस पर रेलवे मंत्रालय से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित करने की जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि मंत्रालय द्वारा संज्ञान लेना निश्चित रूप से सराहनीय कदम है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान तब ही संभव है जब चंदवाझटोरी रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज का निर्माण हो। इसके अभाव में चंदवा का विकास कई वर्षों से बाधित है। तिवारी ने चंदवा की जनता से अपील की कि वे भी सोशल मीडिया पर अपनी आवाज उठाएं, ताकि रेलवे मंत्रालय पर दबाव बन सके और जल्द से जल्द रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कराया जा सके। उन्होंने कहा कि चंदवा के विकास को आगे बढ़ाने के लिए यह ओवरब्रिज अत्यंत आवश्यक है। हमारी सामूहिक आवाज ही इस लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान ला सकती है।



नवप्रदेश/लातेहार। रांची मेदिनीनगर राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच-75) पर सदर थाना क्षेत्र के जंगलदागा के पास सोमवार की दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे

में दोनों बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, एनएच पर तेज गति से आ रही दोनों मोटरसाइकिलें अचानक आमने-सामने भिड़ गईं, जिसके

कारण सड़क पर कुछ देर तक अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। हादसे में घायल युवकों की पहचान जिविल अंसारी (सरयू, लातेहार) और पवन कुमार (देवी मंडप, चंदवा) के रूप में हुई है। घटना होते ही आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े और घायलों को सड़क से हटाकर प्राथमिक सहायता देने की कोशिश की। इसी दौरान चंदवा से लातेहार की ओर जा रहे युवा समाजसेवी कुमार नवनीत भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मानवता का परिचय देते हुए अपने निजी वाहन से दोनों घायलों को तुरंत लातेहार सदर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में दोनों घायलों का इलाज चल रहा है, जबकि उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। चिकित्सकों ने दोनों को बेहतर उपचार हेतु रिम्स रांची रेफर करने की तैयारी शुरू कर दी है।

बालूमाथ में मतदाता सूची मैपिंग को लेकर बीएलओ को दिया गया एकदिवसीय प्रशिक्षण

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार कक्ष में सोमवार को सभी बूथ लेवल अधिकारियों बीएलओ को वर्ष 2003 की मतदाता सूची को वर्ष 2024 की अद्यतन मतदाता सूची से मैपिंग कराने के उद्देश्य से एकदिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य लक्ष्य आगामी चुनावों से पूर्व मतदाता सूची को पूरी तरह सटीक, पारदर्शी और त्रुटि रहित बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र मतदाता को मतदान का अधिकार सुनिश्चित किया जा सके।प्रशिक्षण सत्र का संचालन जिला से आए प्रशिक्षक तनवीर आलम एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव ने किया। उन्होंने बूथवार पुराने एवं नए



मतदाता सूची के मिलान की प्रक्रिया, प्रविष्टियों के अपडेशन, दुप्लीकेट नामों की पहचान, गलत प्रविष्टियों के निरसन तथा नए मतदाताओं के समावेशन के बारे

में विस्तृत जानकारी प्रदान की।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस बार मैपिंग कार्य को अधिक वैज्ञानिक और डेटा-आधारित तरीके से किया जाएगा, जिससे

भविष्य में चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत बनाया जा सके।प्रशिक्षण के दौरान बीएलओ को तकनीकी प्रक्रियाओं की बारीकियों पर भी मार्गदर्शन दिया गया, जिसमें फॉर्म-

6, 7 और 8 के सही उपयोग, मतदाताओं के घर-घर सत्यापन, फील्ड विजिट की अनिवार्यता तथा रिपोर्टिंग के मानकों का विशेष रूप से उल्लेख किया गया।

इसके साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेटा एंट्री, अपलोडिंग और रिकॉर्ड अपडेट करने से जुड़े निर्देश भी साझा किए गए।कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने सभी 85 बीएलओ और 8 सुपरवाइजर को निर्धारित समयसीमा के भीतर मैपिंग कार्य पूरा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी, क्योंकि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बुनियाद है।इस मौके पर जीवन मिश्रा सहित कई अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के बाद बीएलओ ने भी भरोसा दिलाया कि वे दिए गए निर्देशों के अनुसार पूर्ण निष्ठा और समयबद्धता के साथ अपना कार्य संपन्न करेंगे।

आदिवासी सांस्कृतिक सामाजिक विकास संगठन 9 को मनाएगा सरना शक्ति खूंट्टा स्थापना दिवस



नवप्रदेश/चंदवा। आदिवासी सांस्कृतिक सामाजिक विकास संगठन के तत्वावधान में आगामी मंगलवार 9 दिसंबर को सासंग पंचायत के सिकनी डामर स्थित सरना शक्ति खूंट्टा का स्थापना दिवस मनाया जायेगा। किसको लेकर आयोजन समिति के द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कार्यक्रम की सफलता को लेकर रविवार को संगठन की बैठक अध्यक्ष जागा उरांव को अध्यक्षता में हुई। संगठन के अध्यक्ष जागा उरांव, पड़हा राजा राजनाथ उरांव, निर्माण समिति के सचिव बाबूलाल उरांव व जगेश्वर उरांव ने बताया कि कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति, परंपरा और आस्था से जुड़े विविध आयोजन होंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय विधायक प्रकाश राम (लातेहार) शिरकत करेंगे। विशेष अतिथि के तौर पर आनंद उरांव (सामाजिक सेवक) मौजूद रहेंगे। इसके अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय सरना धर्मावलंबी, ग्रामीण और विभिन्न संगठनों के लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे।कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सुबह 8 बजे पूर्वाह्न डंडा कटना पूजा का आयोजन होगा। इसके बाद सुबह 10 बजे प्रार्थना और कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। खोड़हा प्रवेश सुबह 9 बजे दोपहर 12 बजे तक चलेगा। शाम 5 बजे पुरस्कार वितरण और सायं 5:30 बजे सरना सामूहिक भोज का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने सभी समाज के लोगों से कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

अलावा तापने के दौरान महिला झुलसी, रांची रेफर



बालूमाथ संवाददाता। बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत बसिया पंचायत के नगडा गांव में सोमवार सुबह ठंड से बचाव के लिए अलाव ताप रही थी, तभी अवागन उनके कापड़ों में आग पकड़ गई। आग लगते ही महिला चीखने लगी, जिसके बाद पास में मौजूद परिजनों ने तुरंत आग बुझाई और उन्हें गंभीर अवस्था में बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहाँ चिकित्सक ध्रुव कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति को गंभीर बताते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया।

निमार्णाधीन टोरी फुट ओवरब्रिज का माकपा ने लिया जायजा

डीआरएम के टोरी एफओबी को लेकर लाईन सिफटींग - ब्लॉक की निर्देश का रेलवे पदाधिकारी नहीं कर रहे पालन : अयुब खान

चंदवा में 14 दिसंबर को निःशुल्क मोतियाबिंद सह लेंस प्रत्यारोपण शिविर, लायंस क्लब करेगा मरीजों का रांची तक आवागमन

नवप्रदेश/चंदवा। रामकृष्ण मिशन आश्रम रांची, लायंस क्लब चंदवा एवं रांची लाइंस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 14 दिसंबर 2025, दिन रविवार को चंदवा के प्रतिष्ठित साईं नर्सिंग होम में निःशुल्क मोतियाबिंद सह लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में बाहर से आए विशेषज्ञ नेत्र तकनीशियन द्वारा मरीजों की आंखों की जांच की जाएगी और ऑपरेशन योग्य मरीजों को चिन्हित किया जाएगा। जांच के



दौरान यदि आंख की स्थिति, ब्लड प्रेशर एवं शुगर सामान्य पाए जाते हैं, तो ऐसे सभी मरीजों का ऑपरेशन रांची स्थित लायंस क्लब द्वारा संचालित अस्पताल निरामया में निःशुल्क किया जाएगा। शिविर में भाग लेने वाले मरीजों को पहचान हेतु फोटो पहचान पत्र, राशन कार्ड या आधार कार्ड में से कोई एक दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य है। मरीजों को रांची ले

जाने एवं वापस चंदवा लाने की संपूर्ण व्यवस्था लायंस क्लब चंदवा के सचिव निर्मल कुमार भारती द्वारा की जाएगी। किसी भी मरीज को शिविर में शामिल कराने या अन्य जानकारी हेतु इच्छुक व्यक्ति 7970695688 पर निर्मल कुमार भारती से संपर्क कर सकते हैं। इस संबंध में जानकारी लायंस क्लब चंदवा रोरिंग के सचिव निर्मल कुमार भारती ने दी।

एक नजर

बालूमाथ को डिग्री कॉलेज की सीगात, ज़िप उपाध्यक्ष अनीता देवी ने मुख्यमंत्री व विधायक को दिया साधुवाद

बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ प्रखंड में डिग्री कॉलेज की स्थापना को राज्य केबिनेट से मिली स्वीकृति पर पूरे प्रखंड में खुशी की लहर है। जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक प्रकाश राम को साधुवाद देते हुए कहा कि यह बालूमाथ की वर्षों पुरानी मांग थी, जो आज पूरी हो गई। उन्होंने बताया कि उन्होंने कई बैठकों, मंचों और चर्चाओं में लगातार कॉलेज की आवश्यकता को मजबूती से उठाया था। उनके निरंतर प्रयासों और सरकार की पहल का परिणाम है कि अब बालूमाथ को डिग्री कॉलेज मिलेगा। अनीता देवी ने कहा कि यह कॉलेज हजारों ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा। यह निर्णय क्षेत्र के शिक्षा और विकास को नई दिशा देने वाला है।

चंदवा में 14 दिसंबर को निःशुल्क मोतियाबिंद सह लेंस प्रत्यारोपण शिविर लायंस क्लब करेगा मरीजों का रांची तक आवागमन



चंदवा। रामकृष्ण मिशन आश्रम रांची, लायंस क्लब चंदवा एवं रांची लाइंस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 14 दिसंबर 2025, दिन रविवार को चंदवा के प्रतिष्ठित साईं नर्सिंग होम में निःशुल्क मोतियाबिंद सह लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में बाहर से आए विशेषज्ञ नेत्र तकनीशियन द्वारा मरीजों की आंखों की जांच की जाएगी और ऑपरेशन योग्य मरीजों को चिन्हित किया जाएगा। जांच के दौरान यदि आंख की स्थिति, ब्लड प्रेशर एवं शुगर सामान्य पाए जाते हैं, तो ऐसे सभी मरीजों का ऑपरेशन रांची स्थित लायंस क्लब द्वारा संचालित अस्पताल निरामया में निःशुल्क किया जाएगा। शिविर में भाग लेने वाले मरीजों को पहचान हेतु फोटो पहचान पत्र, राशन कार्ड या आधार कार्ड में से कोई एक दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य है। मरीजों को रांची ले जाने एवं वापस चंदवा लाने की संपूर्ण व्यवस्था लायंस क्लब चंदवा के सचिव निर्मल कुमार भारती द्वारा की जाएगी। किसी भी मरीज को शिविर में शामिल कराने या अन्य जानकारी हेतु इच्छुक व्यक्ति 7970695688 पर निर्मल कुमार भारती से संपर्क कर सकते हैं। इस संबंध में जानकारी लायंस क्लब चंदवा रोरिंग के सचिव निर्मल कुमार भारती ने दी।

बालूमाथ में दिव्यांगों के लिए विशेष शिविर में 62 दिव्यांग लाभुकों ने किया आवेदन जमा



बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ट्रॉमा सेंटर भवन में सोमवार को उपायुक्त एवं सिविल सर्जन के निर्देश पर दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 62 दिव्यांग लाभुकों ने अपने आवेदन पत्र जमा किए। पिछली बार बूटे हुए लाभुकों के आवेदन भी इस बार स्वीकार किए गए।शिविर में लातेहार जिला से आई चिकित्सक टीम द्वारा लाभुकों की विधिवत चिकित्सीय जांच की गई। शिविर में शामिल होने वाले लोगों को आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो एवं पुराना प्रमाणपत्र साथ लाने का निर्देश दिया गया था, जिससे दस्तावेज सत्यापन सुचारू रूप से संपन्न हो सका।अधिकारियों ने बताया कि इस विशेष अभियान का उद्देश्य प्रखंड क्षेत्र के सभी दिव्यांग नागरिकों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना है, ताकि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सकें।शिविर में लातेहार से आए चिकित्सक डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. हरिओम प्रसाद, डॉ. पवन कुमार, सोनाली मंजु शिंकु, राजदेव कुमार, पंकज दास सहित बालूमाथ के चिकित्सा पदाधिकारी अशोक कुमार, जितेंद्र सिन्हा, प्रवीण कुमार, बलराम कुमार एवं अरुण कुमार शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। इसके अलावा कई स्वास्थ्यकर्मी एवं अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

टेके मेसी फार्गुसन ट्रेक्टर शोरूम का भव्य उद्घाटन

लातेहार। लातेहार शहर के करकट स्थित भारूका पेट्रोल पंप के सामने सोमवार को गणपति टेडर्स द्वारा टेके मेसी फार्गुसन ट्रेक्टर शोरूम का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्टेट हेड मोहित वैष्णवी, टेके कंपनी के टीएम टन टन सर, समाजसेवी नंदलाल प्रसाद, श्वेता गुप्ता, राकेश दुबे, मुकेश पांडे और पुष्प पांडे ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर किया। इसके बाद अतिथियों का गुलदस्ता और शॉल भेंट कर सम्मान किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान टेके कंपनी के टीएम ने मेसी फार्गुसन ट्रेक्टर की मजबूती, गुणवत्ता, माइलेज और आधुनिक तकनीक से लैस फीचर्स के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कंपनी का उद्देश्य किसानों को विश्वसनीय और उच्च तकनीक वाले ट्रैक्टर उपलब्ध कराना है। समाजसेवी नंदलाल प्रसाद ने कहा कि टेके ट्रैक्टर अपनी टिकाऊ क्षमता और भरोसेमंद प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, और अब लातेहार के किसानों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया एवं नेटवर्किंग माध्यमों से ट्रैक्टरों की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जाएगी।कार्यक्रम के दौरान ग्राम कोने के योगेश्वर सिंह और लातेहार स्टेशन के भगवत सिंह को ट्रैक्टर सौंपा गया। इस अवसर पर गया प्रसाद, विनायकत पांडे, विजय यादव, प्रदीप सोनी, बेबन साव, अशोक कुमार सिंह, पप्पू दास, उषा देवी, सुधि कुमारी, सेन्हा कुमारी, नताशा कुमारी, कमलेश प्रसाद, अक्षय सोनी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ यह उद्घाटन कार्यक्रम लातेहार में कृषि क्षेत्र के लिए एक नई शुरुआत माना जा रहा है।

आदिवासी सांस्कृतिक सामाजिक विकास संगठन 9 को मनाएगा सरना शक्ति खूंट्टा स्थापना दिवस

चंदवा। आदिवासी सांस्कृतिक सामाजिक विकास संगठन के तत्वावधान में आगामी मंगलवार 9 दिसंबर को सासंग पंचायत के सिकनी डामर स्थित सरना शक्ति खूंट्टा का स्थापना दिवस मनाया जायेगा। किसको लेकर आयोजन समिति के द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कार्यक्रम की सफलता को लेकर रविवार को संगठन की बैठक अध्यक्ष जागा उरांव को अध्यक्षता में हुई। संगठन के अध्यक्ष जागा उरांव, पड़हा राजा राजनाथ उरांव, निर्माण समिति के सचिव बाबूलाल उरांव व जगेश्वर उरांव ने बताया कि कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति, परंपरा और आस्था से जुड़े विविध आयोजन होंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय विधायक प्रकाश राम (लातेहार) शिरकत करेंगे। विशेष अतिथि के तौर पर आनंद उरांव (सामाजिक सेवक) मौजूद रहेंगे। इसके अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय सरना धर्मावलंबी, ग्रामीण और विभिन्न संगठनों के लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे।कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सुबह 8 बजे पूर्वाह्न डंडा कटना पूजा का आयोजन होगा। इसके बाद सुबह 10 बजे प्रार्थना और कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। खोड़हा प्रवेश सुबह 9 बजे दोपहर 12 बजे तक चलेगा। शाम 5 बजे पुरस्कार वितरण और सायं 5:30 बजे सरना सामूहिक भोज का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने सभी समाज के लोगों से कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

विश्व टेनिस लीग का पहला सत्र 17 दिसंबर से खेला जाएगा

बेंगलुरु

भारत में इसी माह 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूएलटी) का पहला सत्र खेला जाएगा। डब्ल्यूएलटी लीग के इस पहले सत्र के लिए मैच कार्यक्रम और टिकट की ब्रिक्री की भी घोषणा कर दी गयी है। इस लीग में सभी टीमों का एक-दूसरे से दो बार मुकाबला होगा। लीग स्तर के अंत में शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। इससे प्रशं-कों को हर मैच में उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर मिलेगा। ये लीग चार-सेट प्रारूप में होगी। इसमें पुरुष एकल , महिला एकल और दो युगल सेट शामिल होंगे। मैच शुरू होने से पहले जो कप्तान टॉस जीतेगा, वह युगल संयोजनों का फैसला करेगा, जिससे रणनीति और रोमांच दोनों ही बढ़ेंगे। सभी मैच पारंपरिक स्कोरिंग के साथ खेलेंगे, जिसमें ड्यूस पर गोल्डन अंक और 6-6 पर टाई-ब्रेक होगा। इस लीग में किसी भी मैच का टाई उस टीम वह जीतेगीजो कुल मिलाकर सबसे ज्यादा गेम जीतती है। यदि पिछड़ी टीम चौथा सेट जीत लेती है, तो मैच ओवर टाइम में जाएगा और ओवर टाइम में स्कोर बराबर होने पर सुपर शूटआउट में विजेता का फैसला होगा। इस नियम से हर मैच रोमांचक रहेगा। लीग चार दिनों तक चलेगी, और हर दिन दो टाई आयोजित होंगे। इससे दर्शकों को चार दिनों तक देखने का अवसर मिलेगा। टूनामेंट के सभी दिन सुबह और शाम के सत्रों में मैच खेले जाएंगे। जिससे फैंस प्रशं-क हर मैच देख सकेंगे।

टीम के मैचों का कार्यक्रम इस प्रकार है

मैच 1 : वीबी रियल्टी हॉक्स और ऑस्सी मैवरिक्स काइट्स

मैच 2 : एओएस इंगल्स और गेम चेंजर्स फाल्कन्स

ऑस्सी मैवरिक्स काइट्स और एओएस इंगल्स

गेम चेंजर्स फाल्कन्स और वीबी रियल्टी हॉक्स

एओएस इंगल्स और वीबी रियल्टी हॉक्स

गेम चेंजर्स फाल्कन्स और ऑस्सी मैवरिक्स काइट्स

फाइनल 20 दिसंबर को खेला जाएगा।

फरवरी में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप की मेजबानी करेगा भारत

मुम्बई

भारत अगले साल की शुरूआत में नीदरलैंड के खिलाफ डे-विस कप मैचों की मेजबानी करेगा। ये मैच सात-आठ फरवरी को बेंगलुरु में खेले जाएंगे। डेविस कप की मेजबानी में बेंगलुरु के अलावा दिल्ली भी शामिल थी पर अंत में बेंगलुरु को मेजबानी मिली। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में रुचि दिखाई थी। बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4-1 से जीत गई थी। वहीं कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ की मेजबानी की थी। तब भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफाईंग चरण में प्रवेश किया था जबकि नीदरलैंड को दूसरे दौर में अर्जेंटीना के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। यह 1993 के बाद यूरोपीय धरती पर भारत की पहली जीत थी। तब सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुशे श के नेतृत्व में भारत को जीत मिली थी।

2027 एकदिवसीय विश्व कप के लिए विराट का टीम में होना जरुरी : कैफ

नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए विराट कोहली की जमकर की है। कैफ ने कहा कि अगर भारत को 2027 एकदिवसीय विश्व कप जीतना है, तो विराट की जरूरत रहेगी। कैफ ने कहा कि कोहली ने जिस प्रकार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में लगातार दो शतक जमाए और तीसरे मैच में भी अर्धशतक लगाकर भारतीय टीम की जीत की नींव रखी उससे साफ है कि वह जबरदस्त लय में हैं। इसलिए उन्हें विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उनकी फिटनेस काफी अच्छी है। वह 2027 विश्व कप से आगे भी खेल सकते हैं। उनके बिना विश्वकप जीतना संभव नहीं है। विराट ने 3 मैचों में दो शतक और एक अर्धशतक बनाया है। वहीं कैफ ने रोहित शर्मा के प्रदर्शन को भी सराहा और कहा कि रोहित इस सीरीज में लंबी पारियां खेलने के अंदाज में उतरे । उन्होंने कहा रोहित अब अपनी विकेट को ज्यादा महत्व दे रहे हैं और बड़ी पारी खेलने की सोच रहे हैं। साथ ही कहा कि अब इन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का सिलसिला बनाये रखना होगा।

ब्रिसबेन टेस्ट: 8 विकेट से जीती ऑस्ट्रेलिया, सीरीज में 2-0 से आगे

ब्रिसबेन,

ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिसबेन टेस्ट 8 विकेट से जीत लिया है। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को महज 65 रन का लक्ष्य दिया था। ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट के नुकसान पर 69 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। 65 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को ट्रेविस हेड 22 और मार्नस लाबुशेन 3 के रूप में 2 झटके लगे। जैक वेदरलैंड 17 रन और स्टीव स्मिथ 23 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले, इंग्लैंड की दूसरी पारी 241 रन पर सिमट गई थी। इंग्लैंड के लिए कप्तान बेन स्टोक्स ने दूसरी पारी में सबसे ज्यादा 50 रन बनाए। इसके अलावा, जैक क्रॉली ने 44, विल जैक्स ने 41 रन बनाए। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए माइकल नेसर ने 5 विकेट लिए। इसके अलावा, मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोर्लैंड ने 2-2 विकेट लिए। ब्रेडन डोएट ने 1 विकेट लिए। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहली पारी में जो रूट के नाबाद 138 रन की मदद से 334 रन बनाए थे। इस्-के जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 511 रन बनाकर पहली पारी में 177 रन की बढ़त हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया के लिए मैच में 8 विकेट लेने और 77 रन बनाने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्ट-ार्क को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 0-2 से आगे हो गई है। पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलिया 8 विकेट से विजयी रही थी। पहले टेस्ट में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाली इंग्लैंड ने गाबा टेस्ट में भी अपने प्रदर्शन से निराश किया है। तीसरे टेस्ट के लिए उतरने से पहले इंग्लैंड को निश्चित रूप से अपने खेल में बदलाव लाना होगा। पर्थ टेस्ट में हार के बाद इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटरों ने टीम को लताड़ा था। ब्रिसबेन की हार के बाद भी इंग्लैंड क्रिकेट के दिग्गजों ने टीम की आलोचना की है। सीरीज का तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ शुरूआत करने उतरेगी भारतीय टीम

शाम सात बजे शुरू होगा पहला मैच

कटक

भारतीय क्रिकेट टीम यहां मंगलवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के साथ शुरूआत करने के इरादे से उतरेगी । इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं।

इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव, वहीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी एडन मार्कराम के पास रहेगी। इसी मैच को जीतकर सीरीज में दोनों ही टीम बढ़त लेने के इरादे से उतरेंगी।

भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये



है कि शुभमन गिल फिट हो गये हैं और वह इस मैच में खेलेंगे। उनके अलावा

ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी इस सीरीज से वापसी करेंगे।

अभिषेक एक साल में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने

नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक अहम रिकार्ड बनाया है जिससे अंदाजा होता है कि वह कितने अच्छे फार्म में हैं।

अभिषेक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही पंजाब की कप्तानी करते हुए 250 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने 6 मुकाबलों में 300 से अधिक रन बनाये हैं। सर्विसेज के खिलाफ हुए मुकाबले में उन्होंने तीन छक्के लगाकर अर्धशतक बनाया था। अभिषेक इसी के साथ ही एक एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बने हैं।

अभिषेक ने सर्विसेज के खिलाफ एलिट ग्रुप सी मैच में 34



गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 62 रन की आक्रामक खेली। इस मैच में दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक एक साल में 100 टी20 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं। अभिषेक ने इस साल भारतीय टीम की ओर से 17 टी20कमैचों में 47 छक्के लगाए हैं। आईपीएल

2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 14 मैचों में 28 छक्के लगाये हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 2025 सत्र में अभिषेक ने अब तक 6 मैचों में 26 छक्के लगाए हैं।

कुल मिलाकर इस साल अब तक खेले गए 37 टी20 मैचों में उनके नाम 101 छक्के हैं।

अभिषेक ने पिछले साल भी 39 मैच में सबसे अधिक 39 87 छक्के लगाए थे।

वहीं साल 2022 में सूर्यकुमार यादव ने 41 टी20 मैचों में 85 छक्के लगाए थे। टी20 में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन के नाम है।

साल 2024 में पूरन ने 76 मैच में 170 छक्के लगाए थे। इस साल उन्होंने डरबन सुपर जायंट्स, लखनऊ सुपर जायंट्स, एमआई अमीरात, एमआई न्यूयॉर्क, नॉर्दन सुपरचार्जर्स (पुरुष), रंगपुर रा-इडर्स, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स और वेस्टइंडीज की ओर से खेला था। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज फि-स गेल विश्व के पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने टी20 में एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाए थे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से वापसी करेंगे पांड्या और शुभमन

मुम्बई

ऑलराउंडरा हार्दिक पांड्या और बल्लेबाज शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 9 दिसंबर से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं।

पांड्या लंबे समय के बाद इस सीरीज से वापसी करेंगे। वह पिछले काफी समय से फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर थे। वहीं उपकप्तान शुभमन गिल भी इस सीरीज से वापसी करेंगे। शुभमन टेस्ट सीरीज में गर्दन में अकड़न आने के बाद से ही टीम से बाहर थे पर अब वह पूरी तरह से फिट हो गये हैं। टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी कहा है ये शुभमन पूरी तरह से फिट हैं।

शुभमन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट और तीनों एकदिवसीय मैच नहीं खेल पाए थे। अब उन्हें टी20 टीम में शामिल कर



लिया गया है। गंभीर ने कहा, शुभमन तैयार हैं। इसलिए उन्हें चुना गया है। वह फिट हैं और दोबारा खेलने को लेकर उत्साहित हैं। शुभमन पिछले कुछ समय से उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करना रहेगा। शुभमन ने 12 पारियों में केवल 259 रन बनाये हैं। इस्-के उनका औसत 28.77 है। वहीं पांड्या ने सितंबर 2025 में एशिया कप के दौरान अंतिम बार टी20क खेला था। उसके बाद से ही वह

खेल से दूर हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य भी इस सीरीज में अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा।

टी20 सीरीज के लिए टीम इस प्रकार है :

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंटन सुंदर।

शाकिब ने संन्यास का फैसला वापस लिया, बांग्लादेश लौटकर खेलना चाहते हैं एक घरेलू सीरीज सेन डियागो

पिछले काफी समय से अमेरिका में रह रहे बांग्लादेश क्रिकेट टीम से पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन ने संन्यास से वापसी का फैसला किया है। शाकिब का कहना है कि वह एकसाथ ही तीनों प्रारूपों को अलविदा कहना चाहते हैं।



उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर मोईन अली से बातचीत के दौरान कहा कि उन्होंने अभी तक तीनों प्रारूपों से आधिकारिक रुप से संन्यास नहीं लिया है। साथ ही कहा कि वह बांग्लादेश लौटकर एक पूरी घरेलू सीरीज खेलने के बाद ही तीनों प्रारूपों से एक साथ संन्यास लेंगे। शाकिब पिछले एक साल से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने पिछले साल ही टेस्ट और टी20 से संन्यास ले लिया था। उन्होंने मोईन से बातचीत के दौरान कहा, मैं आधिकारिक रूप से अभी तीनों प्रारूपों से रिटायर नहीं हुआ हूं। ये पहला मौका है जब मैं इसका खुलासा कर रहा हूं। मेरी योजना है कि मैं बांग्लादेश जाकर, एक पूरी एक-दिवसीय, टेस्ट और टी20 सीरीज खेलूं और फिर रिटायरमेंट लूं। शाकिब ने साथ ही कहा कि मैं तीनों प्रारूपों से एकसाथ संन्यास ले सकता हूं। मुझे बस एक पूरी सीरीज खेलनी है और फिर संन्यास लेना है।

रूट के नाम दर्ज हुआ अनवाहा रिकार्ड, ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 वां टेस्ट हारे

कपिल को पीछे छोड़ा

ब्रिस्बेन

इंग्लैंड की यहां एशेज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। अब रूट के नाम ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 टेस्ट में हार का शर्मनाक रिकार्ड दर्ज हो गया है। इससे पहले पाकिस्तान में लगातार 15 हार का रिकार्ड भारतीय टीम के महान ऑलराउंडर कपिल देव के नाम था। इनके अलावा किसी भी अन्य क्रिकेटर के नाम किसी देश में बिना किसी जीत के इतने मुकाबले हारने का रिकार्ड नहीं है। जिस प्राकर रूट का ऑस्ट्रेलिया में रिकार्ड कमजोर रहा, वैसे ही कपिल देव का पाकिस्तान में व्यक्तिगत रिकार्ड खराब रहा, है। कपिल ने पाक में 22 पारियों में 548 रन बनाए, औसत 26.10 रहा, और 44 विकेट लिए, औसत 40.02 रहा। ये उनके करियर का दूसरे सबसे खराब औसत रहा है। रूट ने हालाकि इस बार अच्छा प्रदर्शन किया था पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये जिससे टीम हार गयी। उसके बल्लेबाज दोनों पारियों में रन बनाने में विफल रहे। रूट ने हालाकि पहली पारी में शतक लगाया था पर उन्हें किसी से साथ नहीं मिला।

रोहित और कोहली की जगह को लेकर अब सवाल नहीं उठाने चाहिये : बांगर

विशाखापट्टनम

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच सजय बांगर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा बढ़ती उम्र के बाद भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

ऐसे में टीम में इनकी जगह को लेकर किसी भी प्रकार के सवाल नहीं उठाये जाने चाहिये। बांगर ने कहा कि पिछले कुछ समय के अंदर दोनों ने अपने प्रदर्शन से दिखा दिय है कि वे अभी भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से हैं। इसलिए इन दोनों के साथ अलग तरह से व्यवहार होना चाहिये। इस्-के अलावा इसकी टीम में जगह को लेकर किसी प्रकार प्रकार की आशंकाएं नहीं लगायी जानी चाहिये। इन किन ने पिछले छह



एकदिवसीय मैचों में अपने को साबित किया है। ऑस्ट्रेलिय और दक्षिय अफ्रीका के खिलाफ देखा जाये तो इन दोनों ने जो खेल दिखाया वह कोई और नहीं दिखा पाया। बांगर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अबटीम में इनकी की जगह को लेकर सवाल उठाए जाने

चाहिए। उनके इतने वर्षों में टीम को दिए गए योगदान पर ध्यान देना चाहिए। कोहली और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में इस प्रारूप में बहुत कम मैच खेले हैं। बांगर का मानना है कि उन्हें लय हासिल करने में

आपको उनके साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा और उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी देनी होगी। उन्होंने कहा, जब वे लय में होते हैं तो आपको अंतर साफ नजर आता है। उनके रहने से ही से ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल जाता है।

आखिर क्यों और किन हालात में कोई व्यक्ति खुद अपनी जिंदगी को खत्म करने का फैसला लेता है? उसके दिमाग में क्या ख्याल आते हैं? क्या वह दुनिया छोड़ने से पहले अपने आसपास के लोगों को इसका संकेत देता है? क्या उसे ऐसा करने से रोका जा सकता है और अगर हां तो कैसे?

दुनिया भर में सुसाइड के मामले बढ़ रहे हैं और इस मामले में हिंदुस्तान की तस्वीर भी बहुत अच्छी नहीं है। तमाम वजहों से अपने यहां आत्महत्या के मामले बढ़े हैं। दुनियाभर में सुसाइड की समस्या कितनी गंभीर हो रही है और इसकी प्रवृत्ति कितनी तेजी से बढ़ रही है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दुनिया में एक दिन बाकायदा आत्महत्या से बचाव को समर्पित किया गया है। हर साल 10 सितंबर को वर्ल्ड सुसाइड दिवस के तौर पर मनाया जाता है। इंग्लैंड के एक छोटे से गांव के एक पादरी ने सुसाइड को रोकने के लिए जिस मुहिम की शुरुआत की, वह आज एक विश्व अभियान का रूप ले चुकी है।

सुसाइड रोकने की दिशा में तमाम संस्थाएं काम कर रही हैं। समैरिटन ने भी इस मामले में काफी काम किया है। शुरुआत में यह यूके में ही काम करता था, लेकिन धीरे-धीरे इसकी पहुंच दुनिया के और हिस्सों में भी होने लगी।

इसके बाद इसका नाम हुआ 'समैरिटन बीफ्रेंड्स इंटरनेशनल'। बाद में यह 'बीफ्रेंड्स इंटरनेशनल' के नाम से जाना जाने लगा, जिसकी दुनिया भर में शाखाएं खुलने लगीं। हिंदुस्तान में यह संस्था 'बीफ्रेंड्स इंडिया' के नाम से काम कर रही है। अपने यहां इसकी 12 ब्रांच हैं। इसके अलावा मेंटल हेल्थ की दिशा में काम कर रही 'संजीवनी' जैसी तमाम संस्थाएं भी सुसाइड से जुड़ी समस्याओं पर काम कर रही है। लेकिन संजीवनी के लिए सुसाइड उसके तमाम कामों में एक है, जबकि 'बीफ्रेंड्स इंडिया' पूरी तरह से सिर्फ सुसाइड से समस्याओं में ही काम करती है।

कैसे मिलती है मदद

दिल्ली में 'सुमैत्री' नाम से चल रही संस्था के लोग फोन, ईमेल व पर्सनल विजिट के जरिए लोगों से मिलकर उनका दर्द सुनते हैं और उन्हें

जिंदगी को गले लगाएं

मौत की तरफ से जिंदगी की तरफ लौटने के लिए प्रेरित करते हैं। 'सुमैत्री' की अध्यक्ष अपणा बताती हैं कि यह काम काफी संवेदनशील, जिम्मेदारी भरा और विश्वास से जुड़ा है। इसमें मदद मांगने वाले को कॉलर या विजिटर्स कहा जाता है। अपणा का कहना था कि हम संपर्क करने वाले को न तो मरीज मानते हैं, न कस्टमर, न क्लाइंट और न ही केस। हमारे लिए वह सिर्फ कॉलर या विजिटर्स होते हैं। कॉलर्स हेल्पलाइन नंबर पर फोन करके, ईमेल के जरिए या इनके ऑफिस में आकर मदद मांगते हैं।

संस्थाएं लिसनिंग थेरपी के जरिए सुसाइड की ओर बढ़ रहे लोगों का मन मोड़ने का काम करते हैं। सुमैत्री के लिए काम करने वाली मुदुला का कहना था कि हमारा असली काम, परेशान व्यक्ति को ध्यान से सुनना है। उनका दुख और तकलीफें साझा करना है, जिससे उनके मन का गुबार निकल जाए और वह अपने भीतर हल्कापन महसूस कर सकें। इसी बातचीत में उन्हें अपनी समस्या के हल खुद सूझने लगते हैं। इस दौरान न हम उनसे ज्यादा सवाल पूछते हैं और न ही कोई सलाह देते हैं। किसी को सलाह देने का मतलब है कि हम उसकी बुद्धिमता को कम करके आंक रहे हैं।

अपणा के मुताबिक कोई भी कॉलर जब हमसे संपर्क करता है तो उसकी हालत हमारे लिए धुंध से भरे चौराहे जैसी होती है, जिसे यह पता तो होता है कि



यहां से कई रास्ते निकलते हैं, लेकिन वह इन रास्तों को देख नहीं पाता। इन संस्थाओं के एक्सपर्ट का काम उसे रास्ता बताना नहीं, बल्कि

धुंध छंटने होने तक उसका हाथ थामना है। उधर संजीवनी में सुसाइड मामलों में रोकथाम संबंधी कार्डसलिंग से जुड़ी रंजीत बासु बताती हैं कि उनके पास सुसाइड से जुड़े मामलों में मदद मांगने वाले लोगों में सुसाइड करने के इच्छुक लोगों के अलावा कई बार परिवार वाले और मित्र भी होते हैं। सुसाइड की ओर बढ़ रहा व्यक्ति अगर संपर्क करता है, हमें कॉल करता है तो इसका मतलब है कि वह जीना चाहता है।

अहम है भरोसा

जिंदगी में भरोसा खो चुके लोगों की जो मदद करते हैं उनकी फिलॉसफी पूरी तरह से दो चीजों पर टिकी हुई है भरोसा और गोपनीयता। इसमें न तो कॉलर्स या विजिटर्स से उसका नाम, पता या पहचान पूछी जाती है और न ही उस पर जोर दिया जाता है। यह पूरी तरह से विजिटर्स पर निर्भर करता है कि वह अपना नाम बताएं या न बताएं। मदद का यह सारा लेन-देन अजनबी बनकर होता है। यहां के वॉलंटियर्स भी अपनी पहचान उजागर नहीं करते। इन्हें पूरा नाम, निजी कॉन्टैक्ट नंबर वगैरह देने से बचने की सलाह दी जाती है।

अपणा का कहना है कि अगर हमारा चेहरा या पहचान सामने आणी तो हमारे कॉलर्स को खुलने में दिक्कत होगी। आत्महत्या करने वाला व्यक्ति एक अजनबी से अपने दिल की बात इसलिए खुलकर कर लेता है, क्योंकि उसे न तो सामने वाले के जजमेंटल होने का, न सिर्फ बेमतलब की सलाह या ज्ञान देने का और न ही सुसाइड जैसे विचारों के बारे में बात करने को लेकर किसी तरह की शर्मिंदगी का अहसास होता है। साथ ही उसे अपनी निजी बातों या विचारों के सार्वजनिक होने का खतरा भी नहीं होता। कॉलर्स को लगता है कि सुनने वाला चीजों को किसी पूर्वाग्रह से न देखकर कॉलर्स के नजरिए से देख रहा है।

ऐसे देते हैं सिग्नल्स

सुसाइड करने वाला हर व्यक्ति ऐसा कदम उठाने से पहले अपने आसपास के लोगों को कई तरह के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सिग्नल या संकेत देता है। थोड़ा सचेत और संवेदनशील रहकर इन संकेतों को पकड़ जा सकता है और उसकी मन: स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस क्षेत्र में काम कर रही एक वॉलंटियर वर्षा का कहना है कि कोई भी इसाम मरना नहीं चाहता। इसान बेहद मजबूरी में अपने जीवन को खत्म करने का

विशेष



फैसला लेता है। हर आत्महत्या करने वाला 'क्राइ फॉर लास्ट हेल्प' की तलाश में रहता है। वह चाहता है कि कोई उसकी आखिरी पुकार को सुने। अगर वक्त रहते किसी ने उसकी पुकार को सुनकर समझ लिया और मदद कर दी तो जिंदगी बचाई जा सकती है। हालांकि इन संकेतों को पकड़ने के साथ-साथ आपको उस व्यक्ति की मन: स्थिति और गतिविधियों पर भी गौर करना होगा।

कर सकते हैं मदद

इस दिशा में काम कर रहे लोगों का मानना है कि अगर उस व्यक्ति के आसपास रह रहे लोग, मित्र, परिचित व रिश्तेदार इन संकेतों को समझ लेते हैं तो अन्होंने को टाला जा सकता है।

एक्सपर्ट का मानना है कि संवेदनशील बनकर, परेशान व्यक्ति की पूरी बात सुनकर, खुद को उसकी जगह रखकर देखने से आप उसकी बात समझ सकते हैं। अगर आपको किसी व्यक्ति में ऐसे लक्षण दिखें तो उसे सलाह देने से या सुसाइड का ख्याल अपने दिल से निकालने के लिए डांटने या किसी और तरीके से यह बात समझाने की कोशिश कभी न करें। कई बार लोग परिवार या बच्चों का वास्ता देकर ऐसा करने से रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन एक्सपर्ट की राय है कि सुसाइड पर आमादा व्यक्ति ऐसी किसी भी चीज को सुनने के मूढ़ में नहीं होता। कई बार वह ऐसे हालातों में और अपने भीतर सिमटने लगता है और भीतर ही भीतर उसके मन में सुसाइड का ख्याल और गहराने लगता है। ऐसे में महत्वपूर्ण है कि बिना जजमेंटल हुए पीड़ित व्यक्ति की बात सुनी जाए। एक्सपर्ट का मानना है कि अक्सर कोई भी व्यक्ति मुसीबत में अपने लोगों या अपने आसपास के लोगों से कम्युनिकेट करता है या करने की कोशिश करता है, लेकिन जब उसे वहां से कोई रिसॉन्स नहीं मिलता तो वह अपने में सिमटने लगता है। तब वह सुसाइड जैसे विकल्प की ओर कदम बढ़ाता है।

जरूरी है कि अपने लोगों के साथ संवाद में किसी तरह का अवरोध न रखें। होता यह है कि हम अपनों की बात सुनते हैं, लेकिन उस पर गौर नहीं करते। हम चीजों को देखते तो हैं, लेकिन उन पर ध्यान नहीं देते। अपनों के लिए वक्त निकालिए। खासकर अगर आपके पास कोई परेशान व्यक्ति या इंद्र से गुजरता व्यक्ति हो तो उससे बात कीजिए। बात करते समय ध्यान रखें कि उससे ऐसी कोई बात या सवाल न करें, जिससे वह उत्तेजित हो या बातचीत से पीछे हटे। इस दिशा में काम करने वालों का मानना है कि हम ज्यादातर मामलों में लोगों को अपने इशदों में रोकने में कामयाब रहते हैं, लेकिन एकाध मामले ऐसे भी हुए हैं, जहां ये उन्हें रोक नहीं पाए।

मेथी के फायदे अनेक

मेथी का इस्तेमाल आपने अपने किचन में तो खूब किया होगा। मार्केट में आसानी से उपलब्ध हो जाने से लोग इसके फायदों से अनजान हैं, लेकिन

क्या आपको पता है मेथी के ये दाने कितने फायदेमंद हैं।

ये बालों की डैंड्रफ को तो दूर करता ही है साथ ही ये चेहरे के लिए, पेट के लिए और यहां तक कि पथरी की बीमारी में भी काफी फायदेमंद है। आइए आज हम आपको मेथी के फायदों के बारे में बताते हैं।

डैंड्रफ भी हो जाएगी दूर

डैंड्रफ होना बालों की एक आम समस्या है। यह सिर की त्वचा खुसी-खूखी होने और डेड स्किन सेल्स की वजह से होती है। इससे छुटकारा पाने के लिए आपने अब तक कई एंटी-डैंड्रफ शैपू का इस्तेमाल कर लिया है लेकिन फिर भी यह समस्या नहीं जा रही है तो हम आपको इसका घरेलू उपाय बता रहे हैं। बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए मेथी दाने बहुत असरदार होते हैं। इसके लिए मेथी के दानों को मुलायम होने के लिए रात भर पानी में भिगो दें। सुबह इसके पीसकर पेस्ट बना लें। आप चाहें तो इसमें दही मिलाकर पेस्ट को स्कैल्प और बालों की जड़ों पर अच्छे से लगाएं, साथ ही मसाज भी करें। अब इसे 30 मिनट बाद धो लें।

बाल होते हैं मजबूत

मेथी के दाने बालों की जड़ों को मजबूत करते हैं और डेप्मंड हेयर को पुनर्जीवित करते हैं। इसमें प्रोटीन होता है, इसलिए मेथी दानों को अपनी डाइट में शामिल करने से बाल हेल्दी और खूबसूरत बनेंगे। इसके लिए भीगी हुई मेथी के पेस्ट में एक या दो बड़ा चम्मच नारियल तेल या जैतून के तेल को मिलाकर बालों में लगाएं। सूखने के बाद इसे पानी से धो लें।

पाचन में फायदेमंद

मेथी के दानों के सेवन से पेट दर्द

और जलन दूर होती है। साथ ही पाचन क्रिया भी दुरुस्त होती है। पाचन संबंधी समस्या को दूर करने के लिए मेथी दानों के पेस्ट में कसी हुई अदरक मिलाएं और खाने से पहले एक बड़ा चम्मच इस पेस्ट को खाएं। इससे पेट से संबंधित रोग दूर होंगे।

डायबीटीज भी करती है कंट्रोल

मेथी के दानों से ब्लड शुगर कंट्रोल होता है। इसमें मौजूद एमीनो एसिड तत्व पैन्क्रियाज में इंसुलिन के स्राव को बढ़ाता है जो शरीर से ब्लड शुगर लेवल कम करता है। स्टडी के अनुसार डायबीटीज के रोगियों द्वारा मेथी दानों के सेवन से फायदा होता है। इसके लिए मेथी के दानों को रात भर पानी में भिगोकर रख दें और सुबह इसे खानकर इसका पानी पिएं। ऐसा करीब दो महीने तक लगाकर करने से डायबीटीज में काफी हद तक आराम मिलेगा।

किडनी के लिए फायदेमंद

मेथी के सेवन से किडनी भी स्वस्थ होती है। पथरी के इलाज में मेथी फायदा करती है। इस जाडूई औषधि से पथरी पेशाब के साथ शरीर से बाहर निकल जाती है। मेथी के दानों को एक छोटे चम्मच नींबू के रस और शहद के साथ खाने से बुखार में काफी हद तक आराम मिलता है।

पिंपल्स भी हो जाएंगे दूर

मेथी दाने पिंपल्स और ब्लैकहेड ट्रीटमेंट के लिए फायदेमंद है। इसके लिए मेथी के दानों को पीस कर पेस्ट बना लें और इसमें थोड़ा शहद मिलाएं। अब इस मिक्सचर को रात में सोने से पहले पिंपल्स पर लगाएं और सुबह गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। इस उपाय को लगातार करने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क नजर आएगा।

वजन कम करने में उपयोगी

मेथी के दानों में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। खाली पेट मेथी दानों को चबाने से एक्सस्ट्रा कैलोरी बर्न होती है। इसका दूसरा उपाय है कि सुबह दो गिलास मेथी का पानी पिएं। मेथी का पानी बनाने के लिए एक बड़ा चम्मच मेथी के दानों को दो गिलास पानी में रातभर भिगो दें और सुबह इसे खान कर पीस लें।

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अपनाएं यह छोटे-छोटे उपाय

नेचुरल ब्यूटी का कोई सानी नहीं है। आप भले ही मेकअप के जरिए खुद को कुछ पल खूबसूरत दिखा दें, लेकिन अगर आपकी स्किन नेचुरली ग्लोइंग हैं तो फिर आपको किसी मेकअप की भी जरूरत नहीं है। यूं तो ग्लोइंग स्किन पाने के लिए महिलाएं क्रीम आदि का सहारा लेती हैं, लेकिन फिर भी उन्हें मनचाहा रिजल्ट नहीं मिलता। अगर आप चाहती हैं कि आपकी स्किन नेचुरली ग्लो करे तो आपको कुछ बातों का खासतौर पर ध्यान रखना होगा-



पीएं पर्याप्त पानी

पानी सिर्फ आपको हेल्दी ही नहीं रखता, बल्कि इससे आपकी स्किन भी ग्लो करती है। दरअसल, जब आप पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं तो इससे शरीर के भीतर मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं और इससे आपकी स्किन दमकने लगती है। इसलिए आप दिन में कम से कम आठ से दस गिलास पानी पीएं।

हेल्दी डाइट

कहते हैं कि आपकी स्किन आपकी इनर हेल्थ का ही आईना है। जब आप भीतर से हेल्दी होते हैं तो उसका असर आपकी स्किन पर भी नजर आता है। इसलिए ग्लो पाने के लिए आप क्रीम के बजाय हेल्दी रहने पर फोकस करें। सबसे पहले आप अपनी डाइट पर ध्यान दें। अपनी डाइट में पोषक तत्वों को शामिल करें।

खासतौर से ओमेगा 3 फैटी एसिड, विटामिन सी व फाइबर युक्त आहार लें। इसके अतिरिक्त शरीर में विटामिन की कमी को पूरा करने के लिए आप डॉक्टर की सलाह पर मल्टीविटामिन भी ले सकते हैं।

चीनी और नमक कम

अगर आप चाहते हैं कि आप स्किन नेचुरली ग्लो करें तो आप अपने आहार में चीनी व नमक की मात्रा को कम करें। बहुत अधिक नमक व चीनी का सेवन आपकी हेल्थ के साथ-साथ स्किन को भी प्रभावित करता है।



एशिया की दूसरी सबसे ऊंची दीवार है कुंभलगढ़

पहाड़ और समुद्र से इतर कभी ऐतिहासिक जगह घूमने का मन हो तो राजस्थान से बेहतर जगह भला और क्या हो सकती है। यहां महल और किलों की भरमार है। इन्हीं में से एक है राजसमंदर जिले का कुंभलगढ़ किला। इस किले की दीवार के बारे में कहा जाता है कि चीन की दीवार के बाद यह एशिया की दूसरी सबसे ऊंची दीवार है। कुंभलगढ़ किला उदयपुर से करीब 82 किलोमीटर की दूरी पर अरावली की पहाड़ियों पर बना हुआ है। इसे यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट का स्टेटस भी मिल चुका है। कहा जाता है कि इस किले को बनने में 15 साल लगे थे और इसका निर्माण मेवाड़ के शासक महाराणा कुंभा ने 15वीं शताब्दी में करवाया था।

सबसे ऊंची दीवार

इस किले की दीवार 36 किलोमीटर लंबी और 15 फीट चौड़ी है। इसे एशिया की दूसरी सबसे ऊंची दीवार का दर्जा प्राप्त है। किले में 360 मंदिर हैं जिसमें से 300 मंदिर जैन धर्म के और बाकी 60 हिंदू धर्म के हैं। ऐसा सुखा के लिहाज से किया गया था। भले ही इस किले के बारे में बहुत लोग नहीं जानते हैं, लेकिन इसकी खूबियां किसी भी अन्य किले से कम

अगर कोई आपसे पूछे कि प्याज का आप किस तरह से इस्तेमाल करते हैं तो यकीनन आप कहेंगे कि सब्जी या सलाद के रूप में। हर किचन में बेहद आसानी से पाया जाने वाला प्याज रसोई से बाहर भी आपकी कई छोटी-बड़ी समस्याओं को हल करने में आपकी मदद कर सकता है। इसे काटने में भले ही आंसू निकले लेकिन वास्तव में यह बेहद ही फायदेमंद चीज है। तो चलिए आज हम आपको प्याज के कुछ बेहतरीन इस्तेमाल के बारे में बता रहे हैं -

दूर करें पेट की स्पेल

अगर आपने अभी-अभी घर को पेट कराया है तो यकीनन आपके घर से पेट की स्पेल आ रही होगी। यह स्पेल कुछ लोगों को बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगती। ऐसे में आप प्याज को बीच से काटें और कमरे के दोनों हिस्सों में अलग-अलग बर्तन में रखें। प्याज कमरे से पेट की स्पेल को आसानी से अब्जाब कर लेगा।

एकने को करें दूर

अगर आप एकने से निजात पाना चाहते हैं तो प्याज आपके काफी काम आ सकता है। इसके लिए आप प्याज, ओटमील व शहद को एक ब्लेंडर की मदद से पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर दस मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को वांश कर लें। इसके अतिरिक्त आप प्याज के रस में एग यॉक, ऑलिव ऑयल व खीर का रस मिलाकर उसे एकने पर अर्पण करें।

नहीं है। यह अपने आप में बहुत खास है। किले के पास में ही एक जंगल था जिसे अब वाइल्ड लाइफ सैफ्टरी में तब्दील कर दिया गया है। इसकी दूसरी खासियत यह है कि मेवाड़ के महान योद्धा महाराणा प्रताप का जन्म कुंभलगढ़



में हुआ था।

बादल महल

कुंभलगढ़ के मशहूर महलों में से एक है बादल महल इसमें मर्दाना महल और जाना

महल दो हिस्से हैं जो आपस में जुड़े हुए हैं। महल के शानदार कमरे पेस्टल रंगों से बने भित्ति चित्रों से सजे हुए हैं। इसी महल में महाराणा प्रताप का जन्म हुआ था।

शैपेन बोतल आकार की दीवार

किले की दीवार शैपेन की बोतल की आकार की बनी हुई है। दरअसल, ऐसा दुश्मनों को कैद करने के लिए बनाया गया था। किले के ऊपर से आसपास का पूरा नज़ारा दिखता है।

जैन मंदिर

यहां जैन धर्म के 300 खूबसूरत मंदिर बने हुए हैं, जो वास्तुकला का बेजोड़ नमूना है। बारिश के मौसम में इन मंदिरों की सुंदरता देखते ही बनती है।

साउंड और लाइट शो

सूर्यास्त के बाद यहां होने वाला साउंड और लाइट शो बहुत खास होता है। इसके जरिए आप इतिहास से रू-ब-रू हो सकते हैं।

इतिहास और परंपरा को करीब से जानना चाहते हैं, तो ऐतिहासिक स्थलों की सैर जरूर करें।

प्याज के ऐसे इस्तेमाल से अब तक अनजान होंगे आप

अगर आप अपने चाकू व अन्य सामान से जंग को हटाना चाहते हैं तो भी प्याज का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार है। इसके लिए आप प्याज को जंग लगे चाकू पर तीन से चार बार इस्तेमाल करें। चाकू से जंग आसानी से हट जाएगा।

बनाएं कीटनाशक

प्याज घर के साथ-साथ गार्डन के लिए भी उत्तम ही उपयोगी है। आप प्याज की मदद से अपने गार्डन के लिए प्राकृतिक कीटनाशक बना सकते हैं। इसके लिए आप एक ब्लेंडर में चार प्याज, लहसुन की दो कली, दो बड़े चम्मच लाल मिर्च और एक लीटर पानी डालकर

पेस्ट तैयार करें। अब इस मिश्रण को एक तरफ रखें। इसके बाद सौप फलेक्स में करीबन 7.5 लीटर पानी डालकर उसे डायल्यूट करें। अब इन मिश्रण को आपस में अच्छी तरह मिक्स करें। पौधों के लिए आपका एनबायनमेंट फ्रेंडली स्पे बनकर तैयार है।

चमकाएं सिल्वर बर्तन

अगर आप अपने सिल्वर के बर्तनों को फिर से चमकाना चाहते हैं तो प्याज को स्लाइस करके क्रश करें। अब एक बाउल में पानी व क्रश प्याज डालें। अब एक कपड़े को उस पानी में भिगोएं और उसकी मदद से बर्तनों को साफ करें। आपके बर्तन बेहद आसानी से साफ हो जाएंगे।



3 जगहों पर लगंगे न्यूक्लियर पाँवर प्लांट, केंद्र सरकार ने शुरू की तैयारी

पटना: राज्य के गृहमंत्री और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने के जरिए जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बिहार में 3 न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। सम्राट चौधरी ने बताया कि Nuclear Plant के लिए सीवान, बांका और रजौली में NPCIL–NTPC ने सर्वे का काम आरंभ कर दिया है। NPCIL–NTPC की संयुक्त टीम तीनों जगहों पर भूकम्प, पानी की उपलब्धता, जमीन की उपलब्धता, आबादी का घनत्व तथा जमीन की स्थिति से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।संयुक्त टीम केंद्र और राज्य सरकार को जल्द ही अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगी। देश में 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य जल्द पूरा हो सके, इसके लिए ये कदम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

बिहार में बनेंगे 31 नए अत्याधुनिक औद्योगिक पार्क : सम्राट चौधरी ने ट्वीट कर बताया

नेता, नेतृत्व और सर्वे ने बिगाड़ा चुनावी खेल, राजद में हार पर मंथन से क्या-क्या निकला

नवप्रदेश, पटना: बिहार विधानसभा चुनाव में शर्मनाक हार की समीक्षा के क्रम में राजद के पदाधिकारियों ने खुद को उपेक्षा का आरोप लगाया है। दूसरे चरण के तहत प्रदेश राजद कार्यालय में चल रही प्रमंडलवार समीक्षा बैठक मे ें पार्टी के जिला और प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। नौ दिवसबर तक यह बैठक होनी है। पहले चरण में पार्टी ने चुनाव लड़े उम्मीदवारों के साथ बैठक की थी। इन बैठकों के बाद दल के सैकड़ों बागीयों ें पर कार्रवाई होने की आशंका है। दूसरे चरण की समीक्षा बैठक मे ें उम्मीदवारों से अधिक शिकायत दल के पदाधिकारियों की है। उम्मीदवारों ने एक ओर जहां पार्टी पदाधिकारियों से सहयोग नहीं मिलने की शिकायत की थी, वहीं पार्टी के प्रदेश और जिलास्तरीय पदाधिकारियों का कहना है कि बाहर से उम्मीदवार बनाए जाने के कारण दल के नेता व कार्यकर्ता मारुस हो गए। जिनकी क्षेत्र में



पकड़ नहीं थी, उन्हें नेतृत्व ने सिंबल दे दिया। जबकि ऐसे हवा-हवाई नेताओं की क्षेत्र में कोई पकड़ नहीं थी। आम लोगों व समर्थकों की कौन कहे, दल के पदाधिकारी भी ऐसे नेताओं से बेहतर तरीके से वाकिफ नहीं थे। इस कारण पार्टी के पदाधिकारी जो टिकट की आस लगाए हुए थे, वे मारुस हो गए। अचानक से आए इन उम्मीदवारों के पीछे कई तरह की कहानियां भी सामने आईं। लेन-देन का मामला भी हवा में तेरता रहा। पार्टी पदाधिकारियों की शिकायत दल के नेता से भी है। इनके अनुसार नेता से मिलने के लिए कई दिनों इंतजार

जरूरत पड़ी तो विरोध करेंगे, नीतीश मेरे राजनीतिक गुरु; ओवैसी के एमएलए मुर्शीद भी सीएम के मुरीद

निरंकार भास्कर, नवप्रदेश

पटना: असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के विधायक मो. मुर्शीद आलम ने बिहार सीएम नीतीश कुमार की खुलकर तारीफ की है। उन्होंने नीतीश को अपना राजनीतिक गुरु बताया है। उन्होंने कहा कि बिहार में आगे बढ़ाने में उनका अहम योगदान रहा है। जोकीहाट से एआईएमआईएम के विधायक ने कहा कि मैं दूसरे दल में जरूर हूं, लेकिन नीतीश कुमार के एहसान को नहीं भूल सकता हूं। मैं एहसान फरामोश नहीं हूं. 2014 में मुझे नीतीश कुमार ने जेडीयू में शामिल कराया था। वही मुझे राजनीति में लाए थे। लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो विरोध भी करूंगा।

मुर्शीद ने कहा कि अपने क्षेत्र की समस्या को लेकर मैंने आज सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की है।



मुर्शीद आलम ने अपने नए आवास की समस्या को लेकर नाराजगी भी जताई। उन्होंने मुख्यमंत्री के सामने दो मांगें रखीं। एक जोकीहाट में दो नए महाविद्यालय और दूसरी जोकीहाट में एक अतिरिक्त ब्लॉक (अंचल) की स्वीकृति की मांग की। आपको बता दें बिहार चुनाव

में एनडीए की प्रचंड लहर के बावजूद ओवैसी की एआईएमआईएम के प्रत्याशी के तौर पर मुर्शीद आलम जोकीहाट से जीतने में सफल रहे। उन्होंने जन्मू के मंजर आलम को 28 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। 2020 की तरह 2025 में भी ओवैसी की पार्टी के 5 विधायक

जिले के 8 लाख से अधिक बच्चों को मिलेगी पोलियो से सुरक्षा

नवप्रदेश, बेतिया: जिले की पोलियो मुक्त रखने के संकल्प के साथ, स्वास्थ्य विभाग के द्वारा पल्स पोलियो उप-राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (एसएनआईडीएस) के तहत पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत की जा रही है। यह अभियान 14 से 18 दिसंबर तक जिले भर में संचालित किया जाएगा। इस अभियान को लेकर सोमवार को समाहरणालय सभागार में डीडीसी और सिविल सर्जन के अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सिविल सर्जन डॉ विजय कुमार ने बताया कि इस महत्वपूर्ण अभियान के दौरान, 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 8,09,528 (आठ लाख नौ हजार पाँच सौ अठारह) लक्षित बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक खुराक पिलाई जाएगी। घर-घर जाकर 1437 दल पोलियो की बूंद पिलाएंगी। अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियाँ की हैं।1437 घर-घर प्रमण दल गठित किया गया, उसमें भी खेल हुआ। कुछ उम्मीदवारों पर आरोप है कि मिलीभगत कर सर्वे को अपने पक्ष में किया।

तीसरे दिन भी पीरो में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

पीरो(भोजपुर): शहर में लगातार तीसरे दिन रविवार को भी स्थानीय प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। रविवार को स्थानीय अधिकारियों के नेतृत्व में शहर के बिहिया रोड में झुग्गी झोपड़ियों के अलावा पक्के निमाणों की भी ध्वस्त किया गया। इस क्रम में पीरो के लोहिया चौक पर अवस्थित पुराना शौचालय, पुराने पानी टंकी के पास झुग्गी में रहने वाले महादलित परिवारों के आशियाने के अलावा अन्य निमाणों को भी तोड़ा गया। इस अभियान के लेकर रविवार को भी शहर में अफरातफरी का माहौल रहा और सड़क के किनारे रहने वाले दुकानदार अपना सामान समेटते नजर आए। तीन दिनों से जारी इस अभियान के दौरान शहर के कई मंदिरों पर भी प्रशासन का बुलडोजर चला। हालांकि बगैर मापी कराए पक्के निमाणों को तोड़े जाने पर लोगों में आक्रोश बरकरार है।

शाहाबाद में पर्यटन विकास को लगेंगे पंख धरोहर को सहेजने का सामुहिक लिया गया संकल्प

नवप्रदेश, सासाराम: रविवार को रोहतासमण्ड किला परिसर में राजनेता, अधिकारी, न्यायाधीश, सहित समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महती भूमिका निभा रहे लोगों ने शिरकत की। जिसमें बिहार सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन, बक्सर सांसद सुधाकर सिंह, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विकास वैभव, थल सेवा के पूर्व उपाध्यक्ष जनरल एस के सिंह, रांची उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे डॉ एस एन पाठक, पूर्व मंत्री सह जगदीशपुर विधायक श्रीभगवान कुशवाहा, पूर्व मंत्री व स्थानीय विधायक मुरारी प्रसाद गौतम, सासाराम विधायिका स्नेहलता कुशवाहा, डेहरी विधायक राजीव रंजन उर्फ सोनु सिंह, वपश्री पुरस्कार से सम्मानित भोम सिंह भावेश, बिहार पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह आदि शामिल थे। इन लोगों ने दो दिवसीय चले शाहाबाद महोत्सव के अंतिम शिखर के अवश्य समारोह में संकल्प कि सभी मिलकर अपने ऐतिहासिक सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को सहेजते हुए पर्यटन के क्षेत्र में इस इलाके को एक नई पहचान दिलाई जाएगी। सफलता पूर्वक कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद सोमवार को



शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश कुमार ने कहा ऐतिहासिक रोहतासमण्ड के प्राचीन राजनीतिक, प्रशासनिक, न्यायिक, पत्रकारिता, साहित्यिक आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों ने शाहाबाद महोत्सव आयोजन समिति द्वारा पिछले छः वर्षों से चलाए जा रहे अभियान की प्रशंसा करते हुए इसके उद्देश्यों की पूर्ति हेतु जो प्रतिबद्धता जताई है वह काफी उत्साहवर्धक है। उन्होंने कहा कि अपने ऐतिहासिक सांस्कृतिक विरासत और धरोहर सहेजना हर जागरूक नागरिक का नैतिक दायित्व बनता है और उस दायित्व का बोध कराते हुए समिति लोगों को इसके प्रति लोगों में एक नई चेतना जागृत करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा के प्रतिनिधियों द्वारा शाहाबाद महोत्सव में जब पर्यटन को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया तो

शाहाबाद महोत्सव में सम्मानित हुए बिहार पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह



मॉडल को स्थापित करते हुए समाज के भटके हुए युवाओं से संवाद किया और उन्हें मुख्याधारा में लौटने के लिए प्रेरित किया। उनके नेतृत्व में पुलिस ने न केवल उग्रवाद को निर्णायक रूप से कमजोर किया बल्कि रोहतास किले और पहाड़ी क्षेत्र में वर्षों से बंद सुरक्षा व विकास के रास्तों को फिर से खोला। उन्होंने यह भी कहा कि अपने कार्यकाल में सोन महोत्सव के तहत कैमूर पहाड़ी पर कई ऐतिहासिक कार्यक्रमों का

बने हैं। जिसमें अमौर विधानसभा सीट से प्रदेश अध्यक्ष अखतरुल ईमान, बायसी सीट से गुलाम सर्वर, कोचाधामन से सरवर आलम, बहादुरगंज से मोहम्मद तौसीफ और जोकीहाट से मुर्शीद आलम शामिल हैं।2020 में ओवैसी की पार्टी की 5 में 4 विधायक पार्टी छोड़कर राजद में शामिल हो गए थे।

एकमात्र विधायक अखरुल ईमान बचे थे। जो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। ऐसे में एआईएमआईएम विधायक मुर्शीद आलम की ओर से सीएम नीतीश कुमार की तारीफ करना कई सियासी संभावनाओं को बल दे रहा है। जिसके सियासी मायने भी निकाले जा रहे हैं। 2025 के चुनाव में नीतीश कुमार की जेडीयू दूसरी बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बीजेपी की 89 सीटों के बाद जदयू की 85 सीटें हैं।

11 दिसंबर को जिला नियोजनालय के प्रांगण में जॉब कैम्प का आयोजन



नवप्रदेश, बेतिया: श्रम संसाधन विभाग के द्वारा दिनांक 11.12.2025 को जिला नियोजनालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया के प्रांगण में जॉब कैम्प का आयोजन निर्धारित है। इस दिन 11.00 बजे पूर्वाह्न से 04.00 बजे अपराह्न तक इच्छुक अभ्यर्थी जॉब कैम्प में नियोजक से जॉब के विषय में जानकारी प्राप्त कर अपना आवेदन/बायोडाटा जमा कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों का एनसीएस पोर्टल पर निबंधन कराना अनिवार्य है। जिला नियोजन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि 11 दिसंबर को जिला

नियोजनालय के प्रांगण में आयोजित जॉब कैम्प में निजी नियोजक द्वारा विभिन्न पदों यथा- ग्राहक मित्र, सिनियर ग्राहक मित्र पर कार्य करने के लिए कुल 20 अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। कंपनी द्वारा चयनित अभ्यर्थियों कोका चम्पारण/मुजफ्फरपुर होगा। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी इससे संबंधित विशेष जानकारी के लिए जिला नियोजनालय के नंबर 06254-295737 पर संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

मृतकों के परिजनों से मिले विधायक किया संतावना व्यक्त



नवप्रदेश, अगिआँव : विधानसभा क्षेत्र में मृतकों के परिजनों से विधायक महेश पासवान मुलाकात कर संतावन व्यक्त किया। विधायक महेश पासवान ने अगिआँव विधानसभा के अगिआँव प्रखण्ड कारवासिन और सितुहारी एवं अगिआँव गाँव में मृतकों के परिजनों से मुलाकात किया। कारवासिन गाँव में हरि शंकर सिंह के दरवाजे पर अभिनन्दन समारोह में अगिआँव विधायक - श्री महेश पासवान जी शामिल हुए। विधायक जी को फूल – माला और अंग-वस्त्र से सम्मानित किया गया। वहीं वरुणा पंचायत के सितुहारी गाँव के निवासी – धीरज कुमार , पिता – संजीत सिंह का कुछ दिन पहले नारायणपुर में रोड दुर्घटना में मृत्यु हो गया था एवं अगिआँव गाँव निवासी – जय प्रकाश राम , पिता – स्व ० कलेश्वर राम जी पेशे से शिक्षक थे

का एक दिन पहले छत पर से नीचे गिर जाने से मृत्यु हो गया था। इन दोनों गाँवों में भाजपा विधायक महेश पासवान जी मृत्यु होने वाले व्यक्तियों के घर पहुँचकर उनके परिवार के सदस्यों से मिले एवं मृत्यु होने के कारणों का जानकारी लिए तथा शोक – संवेदना व्यक्त किए। विधायक – महेश पासवान उनके परिवारजनों से इस दु:ख की घड़ी में हर संभव सहायता एवं मदद के लिए बोले। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं अगिआँव विधानसभा प्रभारी – ज्योति प्रकाश कुशवाहा , अगिआँव विधानसभा संयोजक – राम सागर राय , नन्दर पूर्व मण्डल अध्यक्ष – वीर बहादुर सिंह ,अगिआँव मण्डल अध्यक्ष – कुन्दन कुमार कुशवाहा , रवि शंकर सिंह , सुमन कुमार सिंह , नन्द जी गुप्ता, अजीत सिंह , कायकती एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बड़हरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नेत्र उपचार सेवा से ग्रामीणों को बड़ी राहत

नवप्रदेश, बड़हरा : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़हरा में 7 अगस्त 2025 से शुरू की गई नेत्र उपचार सेवा का लाभ अब क्षेत्र के सैकड़ों लोगों को मिल रहा है। इस सुविधा के बाद ग्रामीणों को आंख की जांच और चश्मा के लिए अब बाहर नहीं जाना पड़ रहा है। स्थानीय चश्माधारक विजय पांडे ने बताया कि पहले आंख दिखाने के लिए आरा जैसे शहरों का रुख करना पड़ता था, लेकिन केंद्र में जांच शुरू होने के बाद यह परेशानी खत्म हो गई है। मरीजों को जांच के साथ-साथ चश्मा भी पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध कराया जा रहा है। नेत्र विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, अगस्त में 87 मरीजों की जांच की गई, जिनमें 67 को चश्मे की आवश्यकता पाई गई। सितंबर में 228 मरीजों का परीक्षण हुआ और इनमें 122 को चश्मा लिखा गया। अक्टूबर में 145 लोगों की जांच की गई, जिनमें 83 को चश्मे की जरूरत पड़ी। वहीं नवंबर में 193 मरीजों की जांच में 120 मरीजों के लिए चश्मे की सिफारिश



की गई। अब तक कुल 248 चश्मे तैयार होकर केंद्र पर आए हैं, जिनमें से 150 का वितरण किया जा चुका है। और्थोल्मिक असिस्टेंट कुमार चेतन ने बताया कि जैसे ही चश्मे बनकर आते हैं, मरीजों को फोन कर सूचित किया जाता है। डिफ्टिसा प्रभारी अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि केंद्र में आंख की जांच के साथ जिन मरीजों को चश्मे की आवश्यकता होती है, उन्हें निशुल्क चश्मा उपलब्ध कराया जा रहा है। इस सुविधा से आर्थिक तौर पर कमजोर वर्ग को विशेष लाभ मिल रहा है।

रात्री ड्यूटी के बाद हृदयाघात से पैन मैन की मौत, बगहा तिरुपति सुगरर्स में छाया शोक

नवप्रदेश, पश्चिम चंपारण : जिला अंतर्गत पुलिस जिला बगहा के तिरुपति सुगरर्स लिमिटेड में पैन मैन का काम करने वाले एक 25वर्षीय युवक की सोमवार की सुबह 8बजे हृदय गति रुकने रुकने से मौत हो गई। मृत युवकी पहचान मोहन यादव के 25वर्षीय पुत्र रंजीत कुमार यादव घर मिश्रीली गोसाईं टोला थाना नौतन जिला सिवान के रूप में हुई। बताते चले कि मृत युवक रंजीत कुमार बगहा तिरुपति सुगरर्स लिमिटेड (सैनी मीन) में पैन मैन के पद पर कार्यरत था रात्री ड्यूटी करने के बाद अपने रुम पर फ्रेश होने गया फ्रेश होकर बाहर नास्ता करने जाते क्रम में अचेत होकर गिर पड़ा।आनन फानन में वहा कार्यरत सहकर्मियों ने उसे अनुसंडलीय अस्पताल बगहा लाया जहां आकस्मिक सेवा में उपरिष्ठ चिकित्सक रामप्रवेश



भारती ने जांच कर बताया कि उक्त युवक की हृदयाघात से मौत हो गई है।मौत के शव को चार्ज अफ इगहा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परिक्षण के लिए बगहा अनुमंडलीय अस्पताल भेजा जहां अंत्य परिक्षण के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस जांच में जुटी है अंत्य परिक्षण रिपोर्ट आने के बाद घटना के ही कारणों की पुष्टि करेगी।



अभी तक बलात्कार के आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई पुलिस

नवप्रदेश, बेतिया : मझौलिया थाना अंतर्गत घोड़ा सेमरा सेनवरिया वाई नंबर 16 के रहने वाले सुनील सहनिक कि पुत्री मनोरमा कुमारी को 13 नवंबर 2025 को इस गांव के मनीष सहनी पिता सुबनारण सहनी एवं रबिंस सहनी पिता पारमा सहनी द्वारा शौच करने गई 12 वषीय नाबालिग मनोरमा को जबरन गन्ने की खेत में ले जाकर दुर्कर्म किया गया और घायल अवस्था में बच्ची को छोड़कर फरार हो गए किसी तरह नाबालिक अपने घर पहुची और अपने साथ हुए आपबीती की घटना परिजनों से कही जब परिजन पछुने गए तो घटना को अंजाम देने वाले दोनों युवकों के परिजनों ने पीड़ित नाबालिक के परिजनों को दुरी तरह मारा पीटा इस मामले में नाबालिक मनोरमा की मां

शराब पीने वाले मजदूरों को नहीं पकड़ना चाहिए : मांडी

नवप्रदेश, पटना : जीवन राम मांडी ने कहा कि उनके पिता ईख और महुआ की शराब बनाते थे। इसे पीने से फायदा होगा। हालांकि, उनके समाज पर शराब बनाने की वजह से पांच लाख का मुकदमा हो चुका है। गया में आयोजित एक कार्यक्रम में भाषण के दौरान केंद्रीय मंत्री जीवन राम मांडी ने बताया कि किस शराब को पीने से फायदा मिलता है। शराबबंदी का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के पास उन्होंने तीसरी बार समीक्षा करने के लिए भेजा है। मांडी ने कहा कि उनके पिता ईख और महुआ का बनाने थे शराब। वह शराब पीने से फायदा होता है। पुलिस को कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने कहा कि हजारों हजार गैलन शराब वालों को पुलिस मट्टा लेकर छोड़ देते है और

हमारे आसमी को फूंकवाकर जेल भेजते हैं। बिहार सीएम नीतीश कुमार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि 20 साल तक नीतीश कुमार सीएम रहे। इसलिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड में नाम दर्ज हुआ है। यह सीमाय की बात है। जब हम 1980 में थे तो स्कूल का भवन नहीं था। सभी लोग पेंड के नीचे पढ़ते थे। आज बिहार के सभी जगह स्कूल है। सरकारी स्कूल के शिक्षक नहीं पढ़ाते हैं। गरीब घर के लड़के लोग सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं। अमीर घर के लोग तक 10 लाख,20 लाख रुपए देकर प्राइवेट स्कूल में पढ़ाते है। मांडी ने कहा कि वंक्षिण बिहार सुखा से और उज्जैन में भी सूखा रहता था। वहां नर्मदा नदी से 85 किमी दूर से पानी लाकर शिप्रा नदी से जोड़ा।

संक्षिप्त समाचार

अब सऊदी के रियाद में राजनयिक ही नहीं, अभीरा के लिए उपलब्ध रहेगी शराब

यह बदलाव 2034 में पुरुषों फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी को लेकर किए जा रहे रियाद,

सऊदी अरब सरकार कानूनों के लिए जाना जाता है। देश में शराब हराम है और उसे बेन किश गण्य है। हालाँकि बीते कुछ समय में सऊदी को शराब नीति में बदलाव का संकेत मिला है। हाल ही में रियाद में एक स्टोर के अमीर ने विदेशी लोगों को डिस्को और शॉपिंग बेचने की बात सामने आई। शराब को दुकानें पहले सिर्फ डिस्कोट के लिए खुली थी, उन्हें अब छूट मिली है। खासतौर से अमीर विदेशियों के लिए सऊदी में शराब का विकल्प अब खुलता दिख रहा है। रियाद में अब बेर-मुस्लिम विदेशियों को शराब बेच रहे हैं, बशर्ते उनके पास महंगा प्रीमियम रैजिडेंसी परमिट हो। यह बदलाव क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के मिशन-2030 के तहत किए जा रहे सामाजिक-आर्थिक सुधारों का हिस्सा है। हालाँकि इस बदलाव को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। यह बिना सौर-नारायण के किया जा रहा है ताकि विरोध ना हो। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रियाद के शराब के स्टोर से खरीदारी करने वाले कुछ ब्राह्मणों ने बताया कि वहां पहले सिर्फ राजनयिकों वनी दुसरे देश के राजदूतों को शराब मिलती थी। अब उन के-मुस्लिम विदेशियों को भी शराब बेची जा रही है, जिनके पास प्रीमियम रैजिडेंसी परमिट है। प्रीमियम रैजिडेंसी बहुत अमीर या बहुत पड़े-लिखे विदेशियों को दिया जाता है, जो सरकारी संस्थानों में काम करते हैं। पिछले एक दशक में क्राउन प्रिंस मोहम्मद ने देश को पूरी तरह से बदल दिया है। धार्मिक पुलिस, ड्रेस कोड और महिलाओं को थड़ी चलने पर पाबंदी जैसे मामलों में सऊदी में अब कई तरह की छूट दी जा रही है। सऊदी में शराब नीति की बात की जाए तो सरकार ने आधिकारिक तौर पर 1950 के दशक में शराब पर बैन लगा दिया था। यह प्रतिबंध तब लगा था, जब सऊदी अरब के संसदीय राजा के बेटे ने शराब के नशे में हुए विवाद में एक बि-टश राजनयिक की इलाज कर दी थी। इस बैन की वजह सऊदी धर्म पर अवधारित बताया है क्योंकि कुरआन में मुसलमानों के लिए शराब हराम नहीं गई है। सऊदी में शराब को चिकित्सा की अनुमति देने के कई कारण हैं। सऊदी अरब 2034 में पुरुषों के फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी करेगा। ऐसे में कई विदेशी महामनों को शराब खरीदने कहा जाएगा। अधिकारी पर्यटन को बढ़ावा देने और सरकार के बेर-नेल राजस्व को बढ़ाने के दबाव में हैं, ऐसे में ये बदलाव किए जा रहे हैं।

माजा की सुरंगों में अभी तक सैकड़ों हमास लड़ाके फंसे, चौका रहे हैं इजरायल के दावे

यहशलम,

माजा को तबाह कर देने वाली लड़ाई में हमास के कई खुंखार लीडर्स मौत के घाट उतार गए। वहीं नहीं माजा की सुरंगों में अभी तक सैकड़ों हमास लड़ाके फंसे हैं। इन घोंट देने वाली इन सुरंगों के भीतर ना कोई जानकारी पहुंचती है और ना ही बाहर आती है। इन लड़ाकों को शांति समझौते के बारे में कुछ पता भी नहीं है और वो डा के बारे वहां से निकल ही नहीं रहे हैं। इस बीच इजरायल ने 40 लड़ाकों को लेकर चौकाने वाला दावा कर डाला है। इजरायल तक पहुंचने के लिए माजा में बनाई गई इन अंधेरी गुफाओं में युद्ध के दौरान करीब 200 हमास लड़ाके फुस गए थे। वहां ना ठीक से ऑक्सीजन पहुंचती थी और ना ही सुरज की एक भी किरण दिखती थी फिर भी लड़ाकों को लग रहा था कि ये सबसे सुरक्षित जगह है लेकिन अब इजरायल ने दावा किया है कि 200 में से 40 लड़ाकों को मौत के घाट उतार दिया गया है। बता दें कि सुरंगों में छुपे हमास लड़ाकों से इजरायली सेना के एक चौक ने साफ कला था कि या तो सरेज करे, या खात्या। हमास लड़ाकों ने सरेज करने से साफ इनकार कर दिया था। सबसे चौकाने वाली बात यह है कि वॉशिंगटन और अन्य मध्यस्थों ने एक गुप्त समझौता कराने की कोशिश की थी। इसके लिए शांति थी कि हमास के लड़ाके हथियार डाल दें और उन्हें माजा के दूसरे इलाकों में सुरक्षित रास्ता दे दिया जाएगा। इजरायली सेना ने माजा के रास्ता के नीचे बनी दमघोड़ सुरंगों में छुपे 40 हमास लड़-कों की मौत की पुष्टि कर दी है। वे लोग कई महोनों से इन सुरंगों में फंसे हुए थे। बताया जा रहा है कि मारे गए लोगों में कम से कम तीन लोकल कमांडर्स भी शामिल हैं, ये खबर पहले से ही टूट चुके हमास के लिए एक बड़ा झटका है। 40 मारे गए हमास के लोगों में से एक अब्दुल्लाह हमाद भी था जो हमास के निर्वासित वरिष्ठ नेता माजी हमाद का बेटा था। माजी हमाद हमास के राजनीतिक कार्यालय में एक बड़ा चेहरा हैं, लेकिन उनका बेटा अब्दुल्लाह रफा की एक स-रुंग से भागने की कोशिश करते हुए मारा गया।

ट्रंप का दावा: जेलैस्की शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर को तैयार नहीं, यूक्रेन पर रूसी हमले तेज

वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सनसनीखेज दावा किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलैन्स्की उनके प्रशासन द्वारा तैयार किए गए रूस-यूक्रेन युद्ध समझौते के शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि जेलैन्स्की ने अभी तक प्रस्ताव को ठीक से पढ़ा तक नहीं है, जबकि उनकी टीम इसे पसंद कर रही है। ट्रंप ने काइट हाउस में पत्रकारों से कहा, मुझे थोड़ी निराशा है। कुछ घंटे पहले तक राष्ट्रपति जेलैन्स्की ने प्रस्ताव नहीं पढ़ा था। उनकी टीम को यह पसंद है, लेकिन वह खुद तैयार नहीं हैं। उन्होंने संकेत दिया कि रूस को इस प्रस्ताव से खाम दिक्कत नहीं है, लेकिन जेलैन्स्की ही वाता में बाधा बन रहे हैं। फरवरी 2022 से चल रहे इस निरन्तरकारी युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका पिछले तीन दिनों से फ्लोरि-डा में यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के साथ गहन वार्ता कर रहा था। हालाँकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इस अमेरिकी प्रस्ताव को स-र्वजनिक रूप से समर्थन नहीं दिया है। पिछले सप्ताह पुतिन ने कहा था कि ट्रंप का प्लान कई मामलों में अव्यावहारिक है, भले ही परसदा मूल रूप से मॉस्को के पक्ष में अधिक झुका हुआ माना जा रहा है दूसरी ओर, राष्ट्रपति जेलैन्स्की ने शनिवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने फ्लोरिडा में चल रही वार्ता में शामिल अमेरिकी अधिकारियों से फोन पर विस्तृत बातचीत की है। उन्होंने जोर दिया, यूक्रेन अमेरिका के साथ पूरी ईमानदारी से काम कर रहा है ताकि वारसांचिक और स्थानी शांति हासिल की जा सके। जेलैन्स्की ने वार्ता की प्रगति पर संतोष जताते हुए कहा कि बीच शांति के लिए हड़ संश्लिप्त है। इसी बीच ट्रंप प्रशासन के यूक्रेन मामलों के विशेष दूत कोथ केरॉन ने बताया कि वार्ता अब अंतिम चरण में है। समझौते का सबसे बड़ा रोड़ा क्षेत्रीय मुद्दे हैं, खासकर डोनबास क्षेत्र और जर्बोरोज्जवा परामुखा संरक्ष का नियंत्रण। केरॉन के मुताबिक, इन्हीं दो बिंदुओं पर अंतिम फैसला बचकी है। रविवार रात की रूसी सेना ने यूक्रेन के कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। उत्तरी क्षेत्रीय क्षेत्र में ड्रोन हमले से एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि मध्य यूक्रेन के महत्वपूर्ण औद्योगिक शहर क्रैमेन्चुक में बिजली और पानी की सप्लाई पूरी तरह टप हो गई।

मैक्रो ने चीन में जाकर जिनपिंग को दी धमकी, दुनिया में मच गया हड़कंप

बीजिंग

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने वैश्विक व्यापार युद्ध में नया मोड़ ला दिया है। चीन के बढ़ते व्यापार सरप्लस और यूरोप के लिए गंभीर होते आर्थिक असंतुलन पर तीखा रुख अपनाते हुए मैक्रों ने स्पष्ट संकेत दिया है कि यदि बीजिंग ने यूरोपीय यूनियन के साथ अपने व्यापार घाटे को कम करने के लिए कदम नहीं उठाए, तो यूरोप भी अमेरिका की तरह चीनी सामानों पर भारी टैरिफ लगा सकता है।

अपनी हालिया चीन यात्रा के बाद दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि यह यूरोपीय उद्योग के लिए जीवन और मौलू जैसा सबल है और अब यूरोप चीन की एकताका व्यापार नीति को चुपचाप स्वीकार नहीं करेगा। मैक्रों का सबसे तीखा हमला चीन की उस नीति पर था जिसके कारण यूरोप चीनी उत्पादों का डॉपिंग श्राउंड



बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि चीन यूरोप को बेचने के लिए बड़े पैमाने पर सामान भेज रहा है, लेकिन यूरोपीय कंपनियों के लिए चीन के बाजार में प्रवेश लगातार मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि चीन का यह व्यापार मॉडल अस्थिर है—अगर ग्रहक ही कमजोर हो गये, तो चीन अपना माल किसे बेचेगा? यह बयान यूरोपीय नेतृत्व की बढ़ती ना-राजगी और आने वाले कई कदमों की

स्पष्ट चेतावनी है। मैक्रों ने बीजिंग के सामने यह भी साफ किया कि स्थिति सुधारने के लिए समय सीमित है। यदि चीन ने प्रतिक्रिया नहीं दी, तो यूरोप आने वाले महीनों में अमेरिका की तर्ज पर टैरिफ लगाने जैसे कदम उठाने को मजबूर होगा। यूरोप अब तक चीन के मुकाबले अपेक्ष-कृत नरम माना जाता था, लेकिन मैक्रों की यह चेतावनी उस दौर के अंत की ओर संकेत करती है।

यूरोपीय यूनियन का चीन के साथ व्यापार घाटा 2019 के बाद से लगभग 60प्रतिशत बढ़ चुका है।

सस्ते चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों, सोलर पैनलों और स्टील ने यूरोप के बाजारों में बढ़ी हिस्सेदारी ले ली है। इसके विपरीत, यूरोपीय कंपनियों को चीन में व्यापार करने के लिए कठोर नियमों और प्रतिबंधों से गुजरना पड़ता है। फ्रांस समेत कई देशों की घरेलू उद्योग इस असंतुलन से प्रभावित हो रही हैं। मैक्रों ने कहा कि यूरोप न केवल चीन की आक्रामक विनिर्माण नीति से जूझ रहा है, बल्कि अमेरिका की अमेरिका फस्ट नीति से भी दबाव में है। ट्रंप प्रशासन द्वारा बढ़ाए गए संरक्षणवादी कदमों के कारण चीन जब अमेरिका को निर्यात सीमित करता है, तो उसका अतिरिक्त माल यूरोपीय बाजारों में पर जाता है और बीमते ध्वस्त हो जाती हैं। उन्होंने इसे यूरोप के लिए अत्यंत खतरनाक स्थिति बताते हुए कहा कि इससे यूरोपीय उद्योग का मॉडल कमजोर हो रहा है। सिर्फ चेतावनी ही नहीं, मैक्रों ने चीन को एक समझौता प्रस्ताव भी दिया है।

उन्होंने सुझाव दिया कि यूरोप सेमीकंडक्टर मशीनरी के निर्यात पर लगी पाबंदियों में ढील दे सकता है—जो चीन की टेक इंडस्ट्री के लिए बृंहद महत्वपूर्ण है।

इसके बदले, चीन को अपने रेसर अर्थ मितलस के निर्यात पर लगी सीमाएं हटानी होंगी। ये खनिज बैटरी, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उद्योग के लिए अहम हैं और चीन इनका सबसे बड़ा उत्पादक है। मैक्रों ने यह भी कहा कि चीनी कंपनियों को केवल सामान बेचने के बजाय यूरोप में निवेश करना चाहिए और नई फैक्ट्रियां स्थापित कर स्थानीय अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ना चाहिए। उनका मानना है कि इसी संतुलित और पारस्परिक लाभ वाले मॉडल से वैश्विक व्यापार को स्थिरता मिल सकती है। इस पूरे घटनाक्रम ने संकेत दिया है कि आने वाले समय में यूरोप-चीन संबंधों में बड़े बदलाव देखे जा सकते हैं और वैश्विक व्यापार युद्ध का अगला चरण और भी तीखा हो सकता है।

अमेरिका के राजनीतिक मामलों की अवर सचिव हुकर का भारत दौरा, विदेश सचिव भिसरी से होगी खास बातचीत

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजनीतिक मामलों की अवर सचिव एलिसन हुकर पांच दिवसीय दौरे पर भारत पहुंच रही हैं। एलिसन 7 से लेकर 11 दिसंबर तक भारत में रहेंगी। इस दौरान वह विदेश सचिव विक्रम भिसरी और दूसरे अधिकारियों से मुलाकात करेंगी। इसके अलावा, वह क्षेत्रीय सुरक्षा, अर्थीक सहयोग, और इंटे-पैसिफिक में साझेदारी की प्राथमिकता पर चर्चा करेंगी। भारत में अमेरिकी दूतावास की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, नई दिल्ली के अलावा, एलिसन हुकर बेंगलूर भी जाएंगी। बेंगलूर में वह इसरो जाएंगी और अमेरिका-भारत रिसर्च पार्टनरशिप में इन्वेषान को बढ़ावा देने और बड़े हुए सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए भारतीय अंतरिक्ष, ऊर्जा और तकनीक क्षेत्रों के नेताओं से मुलाकात करेंगी। भारत में अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा, अवर सचिव हुकर का दौरा अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने, आर्थिक और व्यावसायिक संबंधों, जिसमें अमेरिकन एक्सपोर्ट बढ़ाना शामिल है, को गहरा करने और अर्द्धपिछलव इंटेलिजेंस और अंतरिक्ष अन्वेषण सहित उभरती तकनीक में सहयोग को बढ़ावा देने पर फोकस करेगा। बयान के मुताबिक, हुकर का दौरा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक मजबूत द्विपक्षीय साझेदारी और स्वतंत्र के साथ हो खुले इंटी-पैसिफिक को आप्रमिकाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक और कदम है। इससे पहले 3 दिसंबर को, भारत और अमेरिका ने आतंकवाद पर रोक लगाने के लिए भारत-यूएसए संयुक्त कार्य समूह (जेडएन्यूजी) की 21वीं बैठक और 7वां पदनाम संवाद आयोजित किया।

जेलैन्स्की को डोनाल्ड ट्रंप के बेटे ने कहा भ्रष्टाचारी, पीस प्लान न पढ़ने पर भड़के राष्ट्रपति

वॉशिंगटन,

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे जूनियर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनके पिता यूक्रेन शांति प्रक्रिया से पीछे हट सकते हैं। उन्होंने यह बयान कतर में एक सम्मेलन के दौरान दिया।



रिकियों में अब युद्ध के लिए पैसे देना का उत्साह खत्म हो गया है। उन्होंने बताया कि जब यह पूरे देश में रिपब्लिकन समर्थकों से मिलते हैं, तो अधिकांश लोग यूक्रेन को अपनी प्राथमिक चिंता नहीं मानते। ट्रंप जूनियर ने ये भी दावा किया कि लगभग 2 लाख अमेरिकियों ने सीधे बातचीत के बाद ज्यादातर

लोगों ने माना कि रूस-यूक्रेन युद्ध उनकी प्राथमिक समस्याओं में शामिल नहीं है।

जब उनसे पूछ गया कि क्या राष्ट्रपति ट्रंप यूक्रेन की शांति वार्ता से हट सकते हैं, तो ट्रंप जूनियर ने कहा- मुझे लगता है वह ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप को खासियत ही यह है कि कोई

नहीं जानता कि वह अगला कदम क्या उठाएंगे, क्योंकि वह पुराने दौर पर चलने वाले नेताओं की तरह काम नहीं करते। ट्रंप जूनियर ने कहा कि अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने यूक्रेन युद्ध को गलत तरीके से पेश किया है। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेन युद्ध से पहले, रूस से भी ज्यादा भ्रष्ट था और वह बात अमेरिकी रिपोर्टों में भी कही गई है।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलैन्स्की को एक देवता जैसा दर्जा दे दिया गया है, जबकि उनके शासन में लंबे समय से भ्रष्टाचार और अनिश्चितताएं रही हैं। अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने जेलैन्स्की के भ्रष्टाचार पर खुलकर बात की और कहा कि वे पवित्र नहीं हैं।

ऑस्ट्रिया की बफीर्ली चोटी पर विंटर चाइल्ड की ठंड से मौत, बॉयफ्रेंड पर लगे आरोप

चौंसह ले -20 डिग्री में ना इमरजेंसी कोलैट डाला, न ही सेपटी कवर

न्यूबार्क,

ऑस्ट्रिया के सबसे ऊंचे पहाड़ ग्रांसग्लॉकनर पर 33 साल की महिला क-स्टिन गर्टनर ठंड से मौत हो गई वह पहाड़ पर ठंड में बर्फ की तरह जम गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कस्टिन सालाबर्ग की रहने वाली थीं और साशल मीडिया पर खुद को विंटर चाइल्ड और माउंटन पर्सन कहती थीं। जनवरी में वह अपने बॉयफ्रेंड थॉमस प्लामबेर्गर के साथ पहाड़ पर चढ़ाई करने गई थीं। थॉमस 39 साल के हैं और एक अनुभवी माउंटन गाइड हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने अपनी चढ़ाई दो घंटे देरी से शुरू की और ऊपर पहुंचते-पहुंचते मौसम बहुत ही खराब हो गया। तापमान -20 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया और ह-वाएं तुफानी रफ्तार से चलने लगीं। पहाड़ की चोटी से करीब 150 फीट नीचे कस्टिन बहुत धक गई थीं, उनका शरीर ठंड से सुन्न होने लगा और वह अलख में दिखी। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी वकील का आरोप है कि इतनी खराब हालत में होने के बावजूद थॉमस वत करीब 2 बजे कस्टिन को वहीं छोड़कर मदद लेने निकल गए। उन्होंने न तो उनके ऊपर



इमरजेंसी बेल्टिंग डाला, न ही उनके पास मौजूद सेफ्टी कवर का इस्तेमाल किया। यहां तक कि थॉमस ने तुरंत रेस्क्यू टीम को कहे नहीं किया और फोन सांश्लेंट कर दिया, जिससे रेस्क्यू टीम को कॉल्स मिस हो गईं। जानकारी के मुताबिक पहाड़ की बेवकैम फुटपेज में भी सिर्फ एक हेडलैप दिखाई दिया, जो शिखर से दूर जाता दिखा। तेज हवाओं और खराब मौसम के कारण रेस्क्यू टीम सुबह वहां पहुंची। तब तक कस्टिन को मौत हो चुकी थी। थॉमस पर अब गंभीर लापरवाही वरतने से हुई हत्या का आरोप है, और देखी जाए जाने पर उन्हें तीन साल की सजा हो सकती है। उनके वकील का कहना है कि वह बस एक हादसा था। यह मामला 19 फरवरी 2026 को इनसब्रुक रीजनल कोर्ट में सुना जाएगा।

एक सैनिक की मौत के बाद थाई सेना ने कंबोडिया पर की एयर स्ट्राइक

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मध्यस्थता में दोनों देशों ने किया था सीजफायर

बैंगकॉक,

थाईलैंड और कंबोडिया एक बार फिर आमने-सामने आ गए हैं। ट्रंप की मध्यस्थता में हुए सीजफायर के बावजूद सीमावार को थाई सेना ने कंबोडिया पर हमला कर दिया।

थाई सेना के प्रवक्ता ने कहा कि खेम्बवार को थाईलैंड ने अपने पड़ोसी कंबोडिया पर एयर स्ट्राइक की। दोनों पक्ष अपने विवादित वा-र्डर पर हुई लड़ाई के लिए एक-दूसरे को जिम्मेवार बता रहे हैं, जिसमें एक थाई सैनिक की मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खेम्बवार सुबह उठाने राधाधानी प्रांत में कंबोडियाई सैनिकों पर फायरिंग के बाद सुबारी ने एक

बयान में कहा कि सेना को रिपोर्ट मिली कि थाई सैनिकों पर खोपेंटिंग फायर वेपन से हमला किया गया है, जिससे एक सैनिक मारा गया और चार घायल हो गए, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई। कई इलाकों में मिलिट्री टारगेट पर एयरक्राफ्ट से हमला करना शुरू कर दिया है। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता माली सोचता ने कहा कि थाई सेनाओं ने सीमावार सुबह ग्रीन बिहियर और ओडर गोपी के बॉर्डर वाले प्रांतों में कंबोडियाई सैनिकों पर हमला किया। वाइलैंड पर टैमोन थॉम मंदिर पर टैंकों से कई गोर्लियां चलाने और ग्रीन बिहियर मंदिर के पास के दूसरे इलाकों पर हमला करने का आरोप है। उन्होंने कहा कि कंबोडिया ने कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की है।



ओवर सींचे प्रांतीय प्रशासन के कंबोडियाई प्रवक्ता ने कहा कि सदियों पुराने तमोन थॉम और ता क्रुब्ब मंदिरों के इलाकों में गोलीबारी की खबर है। बॉर्डर के पास रहने वाले कई गांववाले सुरक्षित जगहों पर भाग रहे हैं। थाईलैंड के सेकंड

आर्मी रीजन ने कहा है कि लड़ाई के बाद से थाईलैंड में करीब 35,000 लोगों को कंबोडिया के पास वाले बॉर्डर के इलाकों से निकाला गया है। थाई सेना ने कंबोडियाई सेना पर बुरी छाप प्रांत में आम लोगों के इलाकों की ओर

बीएम-21 रॉकेट बाने का भी आरोप है। जिसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दोनों देशों ने रविवार को एक छोटी झड़प की खबर दी थी, जिसमें थाईलैंड की सेना के दो सैनिक घायल हुए थे।

कुछ महोनों पहले थाईलैंड और कंबोडिया के बीच पांच दिनों तक झड़पें हुई थीं। जिनमें 43 लोग मारे गए थे साथ ही 300,000 लोग बेघर हो गये थे। इससे भीषण तनाव के बाद युद्धविराम लागू किया गया था। लड़ाई खत्म कराने में अमे-रिका, चीन और मलेशिया ने बीच-बचाव किया था।

मलेशिया रीजनल ब्लॉक आहिशन का चेयरमैन है। अक्टूबर में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक फॉलो-अप जॉइंट डिक्लैरेशन पर को-साइन किया, जिसमें सीजफायर की बढ़ाने पर सहमत होने के बाद देशों के साथ नए ट्रेंड डीप्लस की बात कही गई थी, लेकिन पिछले महीने थाईलैंड ने एक कथित लौहमाइन प्लास्ट में कई सैनिकों के घायल होने के बाद ढील सस्पेंड कर दी थी, जिसके बाद दोनों देशों के बीच डिस्टेंड झड़पों की खबरें आती रहीं। यह विवाद इस इलाके में फ्रांस के कॉलोनिअल शासन के दौरान गैप की गई सीमाओं को लेकर बना हुआ है, जिसमें दोनों देश कुछ सीमा मॉडों पर अपना दावा करते हैं।